



100 और 200 के नये नोट जारी होंगे : आरबीआई

मुंबई। आरबीआई जल्द ही महात्मा गांधी (नयी) श्रृंखला में 100 और 200 रुपये मूल्य के नए बैंक नोट जारी करेगा। आरबीआई के मुख्य महाप्रबंधक पुनीत पंचोली ने मंगलवार को बताया कि इन नए नोटों पर रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। इन नए नोटों की डिजाइन मौजूदा महात्मा गांधी (नयी) श्रृंखला के 100 और 200 रुपये के नोटों के समान होगा। यानी, उनके रंग, पैटर्न, और सुरक्षा विशेषताएं वर्तमान नोटों के अनुरूप रहेंगी।

तीन वर्षों में सभी जिलों में कैंसर डे केयर सेंटर : नहु
नयी दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नहु ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि अगले तीन वर्षों में देश के सभी जिलों में कैंसर-डे-केयर सेंटर शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है और इस वर्ष दो सौ जिलों में यह सेंटर शुरू किया जा रहा है। श्री नहु ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी देते हुये कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में इसके लिए बटजीय प्रावधान भी किये गये हैं।

जेपीएससी के 5 अफसरों के खिलाफ होगी जांच

रांची। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने जेपीएससी-2 के पांच अफसरों के खिलाफ नये सिर से जांच करने का आदेश दिया है। इन अफसरों में प्रशांत कुमार लायक, लाल मनोज नाथ शाहदेव, कुमार शैलेंद्र, हरि उरांव और कुमारी गीतांजलि का नाम शामिल है। न्यायालय ने अपने आदेश की कॉपी सीबीआई के ब्रांच हेड को भेजने का निर्देश दिया है। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने जेपीएससी-2 के अभियुक्तों के खिलाफ संज्ञान से संबंधित आदेश में लिखा है कि इन पांच अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र समर्पित नहीं किया है। सीबीआई ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि जांच के दौरान प्रशांत लायक, लाल मनोज नाथ शाहदेव, कुमार शैलेंद्र, हरि उरांव और कुमारी गीतांजलि के खिलाफ के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला। न्यायालय ने अपने आदेश में लिखा है कि यह सभी प्राथमिकी के नामजद अभियुक्त हैं। प्राथमिकी में इनके खिलाफ स्पेसिफिक आरोप हैं।

बजट सत्र : भू-राजस्व और स्वास्थ्य मंत्री ने दिया जवाब

खास महल की हजारों एकड़ जमीन होगी फ्री होल्ड: मंत्री

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बजट सत्र के 11वें दिन मंगलवार को सदन में भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि खास महल की हजारों एकड़ जमीन को जल्द फ्री होल्ड किया जायेगा। उन्होंने सदन को बताया कि खास महल की जमीन को रैयतों के नाम करने के लिए सदस्य राजस्व परिषद की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी की 3-4 बैठकें हो चुकी है। अब अंतिम बैठक के बाद 45 दिनों के अंदर निर्णय ले लिया जायेगा। इससे पूर्व भाजपा विधायक आलोक चौरसिया ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से सरकार से जानना चाहा था कि जो लोग वर्षों से खास महल की जमीन पर

रह रहे हैं उन्हें उस जमीन का मालिकाना हक क्यों नहीं दिया जा रहा। श्री चौरसिया का कहना था कि डाल्टनगंज में काफी लोग खास महल की जमीन पर रहते आये हैं। राज्य के अन्य जिलों में भी यही स्थिति है लेकिन, उन्हें जमीन का मालिकाना हक नहीं मिल रहा है। वे अपना घर नहीं बना पा रहे हैं और जो घर बना चुके हैं उन्हें परेशान किया जा रहा है। भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी का भी कहना था कि कृषि योग्य भूमि

पर भी रैयतों का 100 वर्ष से अधिक का कब्जा है। लेकिन, सरकार सड़क निर्माण और अन्य कार्यों के लिए जब भूमि अधिग्रहित करती है तो उसे सरकारी जमीन बता कर कोई मुआवजा नहीं देती है। राज्य में इससे हजारों लोग परेशान हैं। झामुमो विधायक स्टीफन मरांडी ने भी खास महल की जमीन का मामला उठाया। इसके पहले मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप के एक ध्यानाकर्षण का जवाब देते हुये कहा कि पूर्व में प्रोन्नति में विसंगतियां हुई हैं। अब जीबी की बैठक बुलाकर प्रोन्नति की प्रक्रिया पूरी की जायेगी। उन्होंने राज्य के ही विशेषज्ञ चिकित्सकों को रिस्स का डायरेक्टर बनाने का भी आग्रह किया।

■ पुलिस की राईफल छीनकर भागने के दौरान हुई मुठभेड़
■ घटना पलामू जिले के रामगढ़-चैनपुर थाना क्षेत्र के अंधारीढोड़ा जंगल के बीच घटी

खबर मन्त्र ब्यूरो

मेदिनीनगर/चैनपुर। झारखंड का गैंगस्टर अमन साव पलामू जिला के चैनपुर-रामगढ़ क्षेत्र के सीमा पर स्थित अंधारीढोड़ा के जंगली क्षेत्र में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया। ज्ञात हो कि झारखंड एटीएस की टीम अमन साव को सेंट्रल जेल छत्तीसगढ़ से लेकर रांची आ रही थी। इसकी जानकारी अमन साव गिरोह के अपराधियों को लग गयी थी। मंगलवार की सुबह नौ बजे पुलिस का काफिला जैसे ही अंधारीढोड़ा जंगल के पास पहुंचा वैसे ही गुर्गों ने पुलिस पर बम व गोली से हमला कर दिया। उस वक्त पुलिस के बीच अफरा तफरी मच गयी। यह देखकर अमन साव एक पुलिस से राईफल छीनकर भागने लगा जिसे पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाता शुरू कर दिया। जिसमें



रायपुर जेल से निकालते समय सुरक्षाबलों के साथ अमन साव।

एनकाउंटर में जवान के पैर में लगी गोली

अमन साव झारखंड में एनआइए के कई मामलों में वांछित था जिसमें झारखंड एटीएस की टीम अमन साव को रिमांड पर लेकर रायपुर से रांची ला रही थी। इसी क्रम में चैनपुर थाना क्षेत्र के अंधारीढोड़ा में पुलिस व अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान भाग रहा अमन साव मारा गया। इस घटना में एटीएस के पुलिसकर्मी को पैर में

गोली लगी है जिससे वह जखमी हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से दो जिंदा बम, गोली के कई खोखे समेत अन्य सामान बरामद किया है। कुख्यात गैंगस्टर अमन साव झारखंड, बंगाल, छत्तीसगढ़ में आतंक का पर्याय बना हुआ था। इसके विरुद्ध तीन राज्यों में हत्या, अपहरण, फिरोती समेत कई गंभीर मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

अमन साव गिरोह से जुड़े अपराधी जंगल का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे लेकिन भागने के दौरान अमन साव पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। यह सूचना जैसे ही पलामू पुलिस को मिली तो एस्प्री

रीष्मा रमेसन के नेतृत्व में पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लेते हुए सड़क के दोनों ओर की सीमा को सील कर दिया और गहन तलाशी शुरू की गयी। (पेज 2 भी देखें)



एनकाउंटर स्थल पर पुलिस की राईफल के साथ मृत अमन साव।

महंगी पड़ गयी भागने की सोच

छत्तीसगढ़ के रायपुर के एक कारोबारी के यहां फायरिंग मामले में अमन साहू रिमांड पर गया था। इधर झारखंड की राजधानी रांची में कोयला कारोबारी पर अमन ने कथित रूप से हमला करवा दिया। ऐसे में जब उसने यह जाना कि अब उसे पृष्ठताछ का सामना करना पड़ेगा तो उसने रायपुर से रांची आने के क्रम में कस्टडी से फरार होने की प्लानिंग कर डाली। इसके लिए बकायदा पलामू का एक ऐसा क्षेत्र चुना गया जहां कोई भी वाहन धीरे-धीरे होकर सड़क से गुजरता है। इसमें वह सफल नहीं हो सका और मारा गया।

पांच मिनट में आतंक का अंत

एक 47 जैसे अत्याधुनिक हथियारों के साथ अक्सर सोशल मीडिया पर छाप रहने वाले अमन साहू का भी वही हथ्र हुआ जो एक अपराधी का होता है। जिस आतंक को बनाने में अमन को वर्षों लगे उसे झारखंड पुलिस ने मात्र सवा पांच मिनट में ही हमेशा के लिए खत्म कर दिया। एटीएस की टीम उसे छत्तीसगढ़ के रायपुर सेंट्रल जेल से वापस लेकर लौट रही थी। इसी क्रम में पलामू के चैनपुर और रामगढ़ थाना के बीच अंधारीढोड़ा जंगल के बीच अमन साव के गिरोह ने पुलिस के वाहन पर बम से हमला कर दिया। अमन साव एक जवान का राईफल छीनकर गोलीबारी करते भागने लगा। एटीएस की टीम ने अमन को चेतावनी दी। रुकने को कहा। वह नहीं रुका। तब एटीएस टीम ने जवाबी कार्रवाई में उसे ढेर कर दिया।

राज्य को अपराधमुक्त बना रहे

झारखंड का टेरर कहा जाने वाला अमन साहू के मारे जाने पर झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि पुलिस झारखंड को अपराधमुक्त बनाने में जुटी है। वह मंगलवार को हजारीबाग में पत्रकारों से बात कर रहे थे। डीजीपी ने यह भी कहा कि झारखंड में अमन साहू, विकास तिवारी, अमन श्रीवास्तव और प्रिंस खान गिरोह सक्रिय हैं। इन सभी पर नकेल कसने में जुटी है। डीजीपी ने कहा है कि पुलिस रिपोर्ट के अनुसार एटीएस टीम पर हमला कर भागने के प्रयास में अपराधी मारा गया। यह पूरी घटना कैसे घटी है इसे लेकर एटीएस के एसपी को घटनास्थल पर भेजा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि इस घटना में एक जवान घायल भी हुआ है। पूरे मामले की तह तक जाने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।



नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

खुशियों का उपहार

मुख्य अतिथि

डॉ. इरफान अंसारी

माननीय मंत्री, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग
स्वाध, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग,
तथा आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड सरकार

इनकी होगी अनुबंध आधारित नियुक्ति

- विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी
- चिकित्सा पदाधिकारी
- OT टेक्नीशियन
- दंत चिकित्सक

दिनांक: 12 मार्च 2025

समय: अपराह्न 02:00 बजे

स्थान: IPH सभागार, नामकुम, रांची

PRNO 348258 (Health Med Edu and Family Welfare) IPRD 24-25

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार



राजनेता बनने की हसरत पाले मारा गया अमन साहू

बड़कागांव सीट से अपनी किस्मत आजमाने पूरी प्लानिंग कर ली थी, आइटीआइ पास अमन साहू को शौक ने बनाया क्राइम की दुनिया का बेताज बादशाह बना

खलेन्द्र

रांची। झारखंड का कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू मंगलवार को पलामू में हुए एक एनकाउंटर में मारा गया। झारखंड में 150 से अधिक आपराधिक वारदातों में शामिल रहा अमन साहू पिछले तीन साल से जेल में बंद था। छत्तीसगढ़ के रायपुर से ही वह झारखंड में वह बड़ी वारदातों को अंजाम दे रहा था। बुलेट से अपना खौफ कायम कर चुका अमन साहू अब 'बैलेट' की ताकत भी पाना चाहता था। वह विधायक बनने की ख्वाहिश पाल बैठा था, जो एनकाउंटर के साथ खत्म हो गई।

ज्ञात हो कि अपराध के रास्ते राजनीति का रास्ता बिहार से यूपी तक कई बाहुबलियों ने पकड़ा। अमन साहू भी इसी दिशा में बढ़ना चाहता था। अमन जेल में रहते हुए विधायक बनना चाहता था। इसके लिए वह बड़कागांव विधानसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहता था। 2024 में विधानसभा चुनाव लड़ने के बेल्ट उसने कोर्ट से भी इजाजत मांगी थी, लेकिन उसकी मांग स्वीकार नहीं की गई।

अब वह 2029 के विधानसभा की तैयारी में अभी से जुट गया था। 21 फरवरी को इसके सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा गया, जय श्री राम, मिशन 2029, बड़कागांव विधानसभा। साहू सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुद को बड़कागांव का भावी विधायक



और समाजसेवी बताता था। वह कभी भाजपा तो कभी जेएमएम के नेताओं को सोशल मीडिया पर शुभकामना संदेश देता था।

शौक ने बनाया अपराधी : अमन मूल रूप से हजारीबाग के बड़कागांव निवासी निरंजन साहू का बेटा है। वह आईटीआई पास था। अपराध की दुनिया में उसने सिर्फ इसलिए कदम रखा था ताकि वह नाम और शोहरत कमा सके। अमन साहू ने 12वीं कक्षा के बाद आईटीआई में डिप्लोमा किया और एक मोबाइल शॉप खोली। इस दौरान उसकी मुलाकात कुछ अपराधियों से हुई, जिससे प्रभावित होकर उसने अपराध की दुनिया में कदम रखा। अमन पहला ऐसा अपराधी था जो मिनी जैमर साथ में लेकर चला करता था।

गिरफ्तारी से बचने के लिए जैमर का प्रयोग

कुख्यात अपराधी अमन साहू आइटीआई तकनीक की पूरी जानकारी रखता था। शायद यही वजह है कि उसने कभी भी मोबाइल पास में नहीं रखा। साल 2020 में जब उसे रांची के तत्कालीन एसएसपी सुरेंद्र झा ने गिरफ्तार किया था, तब उसने यह कबूला था कि वह पकड़ा न जाए इसलिए वह हॉटस्पॉट डिवाइस और जैमर रखता था। अपने बयान में अमन ने बताया था कि छोटे जैमर की पहुंचने 100 मीटर तक होती है। मोबाइल टावरों से मिले सिग्नल के जरिए ही मोबाइल काम करता है, लेकिन जैमर टावरों से मिलने वाले सिग्नल को मोबाइल तक पहुंचने ही नहीं देता है। ऐसे में सिग्नल (नेटवर्क) न मिलने के कारण मोबाइल पर कॉल संभव नहीं होती है। उस दौरान अमन ने बताया था कि बाजार में छह से लेकर 25 हजार रुपये तक के छोटे मोबाइल जैमर मौजूद हैं, जिनकी रेंज दस से लगभग 100 मीटर तक की होती है ये आकार में बहुत छोटे होते हैं, जिन्हें आसानी से अपने साथ ले जाया जा सकता है।

अपराध जगत में उत्थान : अमन ने अपनी आपराधिक गतिविधियों की शुरुआत के बाद, धीरे-धीरे अपनी गैंग बनाई और झारखंड, छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में सक्रिय हो गया। उसके गैंग का नेटवर्क धनबाद, रांची, रामगढ़, चतरा, हजारीबाग, पलामू, लातेहार, बोकारो जैसे झारखंड के कई जिलों में फैला हुआ था। वे कोल माइनिंग कंपनियों, कोयला व्यवसायियों और ट्रांसपोर्ट फील्ड के व्यापारियों को रंगदारी के लिए निशाना बनाता था। **गिरफ्तारी के बाद जेल और एनआईए की कार्रवाई :** अमन साहू को पहली बार 2019 में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 29 सितंबर 2019 को वह पुलिस की गिरफ्त से फरार हो गया। तीन साल बाद, जुलाई 2022 में उसे फिर से

पहली बार पकड़या और हो गया था फरार, 130 से ज्यादा मामले

कुख्यात अमन साहू बड़कागांव थाना से सितंबर 2019 की रात पुलिस कस्टडी से फरार हो गया था। इस मामले में तत्कालीन थाना प्रभारी को बर्खास्त तक होना पड़ा था। अमन साहू पर रांची में रंगदारी और अपराध की योजना बनाने से संबंधित मामले दर्ज हैं। जबकि राज्यभर के अलग-अलग थानों में 100 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। अमन साहू को धनबाद, रांची, रामगढ़, पलामू, हजारीबाग, चतरा

गिरफ्तार किया गया और दुमका जेल में बंद किया गया। जुलाई 2024 में, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उसके गैंग ने ठिकानों पर छापेमारी की, जिससे उसकी आपराधिक गतिविधियों का दायरा और साफ हुआ।

अमन साहू का एनकाउंटर : अमन साहू छत्तीसगढ़ के रायपुर सेंट्रल जेल में बंद

अमन साहू नहीं रखता था मोबाइल

बाजार में मिलने वाले छोटे जैमर का वजन भी एक किलोग्राम से कम होता है। जैमर की वजह से पुलिस टेक्निकल सर्विलांस के जरिए भी अमन साहू के मौजूदगी का पता नहीं लगा पाती थी। वहीं, अगर कोई देख भी लेता था तो मोबाइल नेटवर्क नहीं होने के कारण तत्काल पुलिस को कॉल नहीं कर पाता था। अमन साहू जब तक जिंदा रह उसने मोबाइल का इस्तेमाल नहीं किया। वह जानता था

कि मोबाइल से पुलिस उसका लोकेशन आसानी से पता कर लेगी। इसलिए वह सिर्फ वाईफाई के जरिये जंगी जैसे एप का इस्तेमाल चलाता था।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से संबंध

अमन साहू के बारे में ये भी कहा जाता रहा है कि वह कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का करीबी सहयोगी था। सूत्रों के अनुसार, अमन अपने गुणों को लॉरेंस को सप्लाई करता था और बदले में हाईटेक हथियार प्राप्त करता था। हालांकि इसका कोई प्रमाणिक सबूत नहीं मिल पाया है।

कौन हैं एनकाउंटर

विशेषज्ञ प्रमोद कुमार सिंह प्रमोद कुमार सिंह 1994 बैच के सब इंस्पेक्टर हैं, जो अब एटीएस में डीएसपी के रैंक पर हैं। प्रमोद कुमार चैनपुर में थाना प्रभारी भी रह चुके हैं। इस दौरान उन्होंने एक डकैत का भी एनकाउंटर किया था। पलामू में प्रमोद ने कई अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की थी, और इनके एक्शन से अपराधियों में खौफ था। इसके बाद उन्होंने अपने करियर में विभिन्न पदों पर सेवा दी है और कई महत्वपूर्ण अभियानों में शामिल रहे हैं।

और भागने लगा। उसने जवानों पर गोली भी चलाई, जिसमें एक जवान घायल हो गया। जवाबी फायरिंग में अमन साहू को गोली लगी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

वहीं, खम्भी जवान को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसकी हालत खतरे से बाहर है। अमन साहू का रांची लाने की जिम्मेदारी जिस टीम को दी गई थी उसका नेतृत्व एटीएस डीएसपी प्रमोद कुमार सिंह कर रहे थे। इन्हें झारखंड का एनकाउंटर स्पेशलिस्ट कहा जाता है। कहा जा रहा है कि पुलिस को आशंका थी कि अमन साहू को छत्तीसगढ़ से रांची लाने के दौरान कुछ भी हो सकता है। इसलिए इसकी जिम्मेदारी डीएसपी प्रमोद कुमार सिंह को दी गई थी।

सरकार के पास नहीं है कोई ठोस खनिज नीति : सरयू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विधानसभा के बजट सत्र के 11वें दिन सदन में सरयू राय ने कहा कि सरकार के पास कोई ठोस खनिज नीति ही नहीं है। श्री राय मंगलवार को अनुदान मांग पर वाद-विवाद में हिस्सा ले रहे थे। बजट में एक लाइन भी खान विभाग के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। खान और खनिज सरकार की प्राथमिकता में नहीं है। उन्होंने कहा कि 9000 करोड़ का राजस्व आ रहा है जो काफी है। 30 खनिज के खदानों का ऑक्सन हो गया। इस पर सिर्फ तीन पर ही काम शुरू हुआ। अगर शुरू होता तो 500 करोड़ की आमदनी होती। उन्होंने कहा कि बजट में बालू का भी जिक्र नहीं है। जेएसएमडीसी शत-प्रतिशत पैसा अपने पास रख रहा है। 2014 के बाद से गैर कोयला खनिजों के सात खदानों का ही ऑक्सन हो पाया है। लीज भी कन्वर्ट नहीं हुआ। सोना खदान की भी यही स्थिति है। राजस्व अधिकारी और जिला अधिकारी तथ्य की सूचना नहीं देते हैं। कोडरमा व गिरिडीह में डिबरा का



चालान राजस्थान से आता है। लिथियम पर अनुसंधान की कार्रवाई अब तक नहीं हुई। उन्होंने मानगो फ्लाईओवर का डिजाइन उपयोगी बनाने की मांग की। **विस्थापन आयोग बनाया जाये :** **अरूप चटर्जी :** भाकपा माले विधायक अरूप तटर्जी ने कहा कि राज्य में विस्थापन आयोग बनाया जाये। रेलवे फ्रेट कॉरिडोर के विस्थापितों को बसाने की व्यवस्था होनी चाहिये। म्यूटेशन को ऑनलाइन करने पर जोर दे। खनिज उठाव की पॉलिसी के कारण माईस बंद हो गये। इस पर



पॉलिसी लानी चाहिये। **अंचल कार्यालयों में भ्रष्टाचार का बोलबाला: जनार्दन पासवान :** लोजपा विधायक जनार्दन पासवान ने कहा कि अंचल कार्यालयों में भ्रष्टाचार का बोलबाल हैण जाति प्रमाण पत्र और आय प्रमाण पत्र भी बिना पैसों के नहीं बनता है। कोई सुनने वाला नहीं है। **भाजपा के लोग खा जाते थे आधा पैसा, सड़क कैसे बनेगा :** **सुरेश पासवान :** राजद विधायक सुरेश पासवान ने कहा कि भाजपा के लोग आधा पैसा खा जाते थे, तो सड़क कैसे बनेगा। अब ग्रीन

झारखंड क्लीन झारखंड है। रोड बढ़िया बन रहा है। विपक्ष के पास न काम है और न मुद्दा। झारखंड की रोटी खाकर दिल्ली का गुण गाते हैं। उन्होंने कहा कि एलायनमेंट को देखकर रोड बनाना चाहिये। पुनासी विस्थापितों की समस्या का समाधान होना चाहिये। **दस्तावेज किये जा रहे हैं दुरुस्त: भूषण तिर्की :** झामुमो विधायक भूषण तिर्की ने कहा कि जमीन के दस्तावेज दुरुस्त किये जा रहे हैं। अब लोग मोबाइल एप के जरिये लगान जमा कर सकेंगे। सीएनटी, एसपीटी और पथलगड़ी के नाम

पर भाजपा ने खून की होली खेली। कालाधन वापस लाने, दो करोड़ नौकरी देने का वादा पूरा नहीं किया। एयरपोर्ट और बंदरगाह बेचने का काम किया। मणिपुर पर एक भी ब्राने नहीं आया। **राज्य का प्रत्येक दूसरा घर जमीन विवाद से जूझ रहा : जयराम महतो :** विधायक जयराम महतो ने कहा कि राज्य का प्रत्येक दूसरा घर जमीन विवाद से जूझ रहा है। अंचल को दुरुस्त किया जाये, नहीं तो हर घर गृहयुद्ध में तब्दील हो जायेगा। फर्जी कागजात बनवाकर दावा किया जा रहा है। सशक्त

बजट में कोई नई योजना नहीं: रौशन

भाजपा विधायक रौशन लाल चौधरी ने कहा कि बजट में कोई नई योजना नहीं है। बजट में कटौती करने से विकास में रूकावत आयेगी। सीसीएल और कोल इंडिया के कारण सैकड़ों गांव उजड़ गये। बड़कागांव सबसे बड़ा विस्थापित क्षेत्र है। विस्थापन के नाम पर सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया। विस्थापितों को मुआवजा नहीं देकर बेघर किया जा रहा है। जीएम लैंड झारखंड का बड़ा मुद्दा है। रैयतों को हक और अधिकार से वंचित किया जा रहा है। एसआईटी और सीबीआइ जांच का हवाला दिया जा रहा है। कंपनियों में 75 फीसदी आरक्षण लागू नहीं हो रहा है। अंचल कार्यालय में काम नहीं हो रहा है। सीएनटी एकट का उल्लंघन हो रहा है। सरकार अपने घोषणा पत्र के वादे को पूरा करे।

विस्थापन आयोग का गठन किया जाये। विस्थापितों को नियोजन और मुआवजा दिया जाये।

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ड्रीम प्रोजेक्ट (मुख्यमंत्री धोती-साड़ी योजना) को भी राज्य के अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। नतीजा, राज्य के 25 फीसदी गरीबों को अब तक धोती-साड़ी और लूंगी का लाभ नहीं मिला है। सबसे खबर स्थिति तो राजधानी रांची की है। यहां बैठे अधिकारी इस योजना को अनलोजाभा पहनाने की बजाये, इसे धरातल पर उतारने से भी परहेज कर रहे हैं। यही कारण है कि राजधानी में भी अब तक मात्र 74.75 फीसदी ही धोती-साड़ी-लूंगी का वितरण किया जा सका है। इस योजना का लाभ सिर्फ गरीबों को मिलना है। अधिकारियों को इस योजना को फलीभूत करने से कोई लाभ नहीं मिलता है। नतीजा राज्य के अधिकारी इस योजना में रूचि नहीं लेते हैं और गरीब-जरूरतमंद धोती-साड़ी के लिए तरसते रहते हैं।

उद्योग लगाने के लिए संथाल में भूमि उपलब्ध करारोगी सरकार : मंत्री

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विधानसभा में मंगलवार को प्रथम पाली में श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने सदन में कहा कि यदि कोई व्यक्ति संथाल परगना में उद्योग लगाने को उत्सुक है तो सरकार उन्हें जमीन और अन्य सुविधायें उपलब्ध करायेगी। उन्होंने सदन में पाकुड़ में 616 एकड़ और लिप्टीपाड़ा में 254 एकड़ जमीन चिन्हित किया है। उद्योग लगाने को लेकर मुख्यमंत्री और उद्योग विभाग भी चिंतित है। उन्होंने सदन को बताया कि गोविंदपुर-साहेबगंज औद्योगिक गलियारा के लिए पाकुड़ जिला में 616.24 एकड़ जमीन चिन्हित किया गया है। जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई चल रही है। जमीन अधिग्रहण के बाद पाकुड़ जिला में किसी भी औद्योगिक इकाई की स्थापना का प्रस्ताव प्राप्त होने पर सरकार के विभिन्न नीतियों और नियमों के तहत जमीन आवंटन और अनुमान्य प्रोत्साहन प्रदान किया जा सकता है। मंत्री सदन में हेमलाल मुर्मू के अल्पसूचित सवाल का जवाब दे रहे थे। हेमलाल मुर्मू ने सरकार से पाकुड़ जिला में उद्योगों को आदिवासी व पिछड़े जिलों में विशेषकर स्थापना किये जाने की मांग की थी। इसके बाद मंत्री सुदिव्य कुमार ने सदन में कहा कि राज्य के अधीनस्थ विश्वविद्यालयों व अंगीभूत महाविद्यालयों के 700 से अधिक आवश्यकता अधिरत व्याख्याताओं को नियममित करने के लिए विचार करेगी। यदि उनकी उम्र सीमा पार रही है, तो इसपर भी सहानुभूति पूर्वक विचार होगा।

होली जैसे त्योहार पर भी साड़ी का इंतजार कर रही है महिलाएं

होली में है गरीबों को धोती-साड़ी का इंतजार : इसी हफ्ते होली का त्यौहार है। ऐसे में राजधानी की गरीब महिलाएं हेमंत सरकार की ओर से दी जानेवाली नयी साड़ी का इंतजार कर रहे हैं। रांची कलेक्ट्रेट में पहुंची एक महिला रतिया उरांव ने बताया कि उन्हें अब तक साड़ी नहीं मिली है। इसी की शिकायत लेकर वह मैडम (एसओआर) से मिलने आयी हैं। उन्होंने बताया कि बाबू, हमको कभी भी समय से राशन नहीं मिलता है। महीना-दो महीना पर एक बार राशन डीलर अनाज दे देता है। डीलर का नाम पुछने पर उन्होंने बताया कि वह कांटाटोली में रहती हैं। एक महिला डीलर है, जो उन्हें अनाज देती है। साड़ी मांगने पर भी उन्हें नहीं मिल रहा है।

निर्वाचन आयोग ने चुनावी प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों से मांगे सुझाव

खबर मन्त्र ब्यूरो

नयी दिल्ली/ रांची। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों को सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया है। आयोग ने पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं से 30 अप्रैल तक किसी भी अनसुलझे मुद्दे पर अपने सुझाव मांगे हैं। आयोग ने राजनीतिक दलों को लिखे पत्र में कहा है कि लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, निर्वाचन से जुड़े नियम और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए पहले से ही एक पारदर्शी कानूनी ढांचा मौजूद है।

चुनावी प्रक्रिया को सुधारने के लिए संवाद की पहल : इससे पहले, पिछले सप्ताह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, जिला निर्वाचन पदाधिकारी और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे राजनीतिक दलों से नियमित बातचीत करें और 31 मार्च तक आयोग को अपनी कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करें। आयोग ने राजनीतिक दलों से विकेन्द्रीकृत भागीदारी तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करने की अपील की है, ताकि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और मजबूती लायी जा सके।

राजनीतिक दल भी एक प्रमुख हितधारक हैं संविधान और वैधानिक ढांचे के अनुसार चुनाव

प्रक्रिया के सभी पहलुओं को कवर करने वाले आयोग द्वारा पहचाने गये 28 हितधारकों में राजनीतिक दल भी एक प्रमुख हितधारक हैं। राजनीतिक दलों को लिखे अपने पत्र में आयोग ने यह भी उल्लेख किया है कि लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951; निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और भारत के चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देश, मैनुअल और सैंड डब्लुबक (भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध) ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए एक विकेन्द्रीकृत, मजबूत और पारदर्शी कानूनी ढांचा स्थापित किया है।

कि होलसेलर पहले से ढाई हजार रुपये तक अधिक वसूल रहे हैं। वहीं, रजनीगंधा, कमला पसंद, शिखर, विमल और दिलरूबा जैसे पान मसाला पर एत हजार रुपये बोरी तक अधिक वसूले जा रहे हैं। **इन जगहों पर खुलेआम बिक रहा गुटखा :** अपर बाजार, मेन रोड, कचहरी, कलक्ट्रेट, न्यू मार्केट रातू रोड, कांके रोड, पिस्का मोड़, पंडरा, धुर्वा जैसे बाजर में गुटखा चोरी-छिपे नहीं, बल्कि खुलेआम बिक रहे हैं। एक होलसेलर ने बताया कि बैन लगने के बाद उनके

झाप्रसे के 232 अधिकारियों की अंतिम वरीयता सूची जारी

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा (झाप्रसे) के अधिकारियों का अंतिम वरीयता सूची प्रकाशित कर दी गयी है। कार्मिक प्रशासनिक सुधार राजभाषा विभाग ने सारी आपत्तियों का निराकरण करते हुए अधिसूचना जारी कर दिया है। विभाग ने औपबॉधिक वरीयता सूची जारी करने के समय आपत्ति मांगी थी। इसके बाद उसकी समीक्षा की गयी। विधि विभाग से भी राय ली गयी। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मेघचन्द सिंह एवं अन्य बनाम निगम सिरो एवं अन्य में 19 नवंबर 2019 को पारित न्यायादेश एवं अन्य नियम/परिनियमों के आलोक में स्पष्टतः यह भी पाया गया कि प्रथम सीमित उप समाहर्ता प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्त पदाधिकारियों तथा दूसरे एवं तृतीय एवं चतुर्थ सीमित बैच के पदाधिकारियों की नियुक्ति बिहार प्रशासनिक सेवा (सीमित प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) नियमावली 1991 के आलोक में की गई है। इस नियमावली में प्रोन्नति के माध्यम से नियुक्ति का कोई प्रावधान नहीं है, बल्कि इसमें सीमित प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति का प्रावधान है। इसे ध्यान में रखते हुए यह प्रतीत होता है कि प्रथम सीमित तथा दूसरी, तृतीय एवं चतुर्थ सीमित प्रतियोगिता परीक्षा में एसटी-एससी के अलावा पिछड़ा वर्ग-1 एवं पिछड़ा वर्ग दो कोटि के अभ्यर्थियों को भी आरक्षण का लाभ देकर उप समाहर्ता के पद पर नियुक्त किया गया है। इस प्रकार इनकी नियुक्ति में प्रोन्नति संबंधी आरक्षण के प्रावधान को नहीं अपनाया गया है।

जिला प्रशासन को आदेश का इंतजार

कहने को तो सरकार के स्तर पर गुटखा की बिक्री और उत्पादन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। विभाग के स्तर पर इसका आदेश भी जारी कर दिया गया। परंतु गुटखा पर बैन लगाये जाने के एक माह बाद भी जिला प्रशासन को इस पर रोक और छापेमारी के लिए अधिकृत नहीं किया गया। नतीजा राज्य के जिलाधिकारियों को आज भी स्वास्थ्य विभाग के उस आदेश का इंतजार है, जिसमें इस बात का उल्लेख हो कि झारखंड के खुले बाजार में गुटखा पर बिक्री के लिए जिला उपायुक्त जिम्मेवार होंगे।

उपर भी बोझ बढ़ा है। ऐसे में वह बढ़े हुए बोझ को कम करने के लिए प्रति बोरा कुछ बढ़ा दिया है।

जब खानेवाले लोगों को कोई आपत्ति नहीं है, तो फिर आपलोगों को क्या आपत्ति है।

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में जब-जब गुटखा पर बैन लगा है। इसका खामियाजा जनता को ही भुगतना पड़ा है। एक बार फिर से जारखंड सरकार ने गुटखा पर बैन लगा दिया है। परंतु न तो इसकी बिक्री पर रोक के लिए कोई कमेटी बनायी और न ही फैक्टरी को बंद करने का नोटिस दिया। नतीजा, झारखंड के बाजर में आज भी खुलेआम गुटखा बिक रहा है। कोर्ट-कचहरी से लेकर कलेक्ट्रेट और विधानसभा के



सामने तक इसकी खुलेआम बिक्री हो रही है। हां, गुटखा पर बैन लगने से एक बात तो साफ हो गया है कि

जनता को महंगे दामों पर गुटखा मिल रहा है। 25 रुपये में मिलनेवाले रजनीगंधा-तुलसी अब, 30-32 रुपये में बिक रहा है। **एक हजार से ढाई हजार बोरी तक महंगा हुआ गुटखा :** झारखंड के बाजर में बैन लगने से पहले गुटखा आमलोगों के लिए सुलभ था। परंतु बैन लगने के साथ ही होलसेलरों की चांदी हो गयी। गुटखा अब, एक हजार रुपये से लेकर ढाई हजार रुपये बोरी तक महंगा हो गया। सबसे अधिक दाम तो सिनेचेर के बढ़े हैं। एक दुकानदार ने बताया

कि होलसेलर पहले से ढाई हजार रुपये तक अधिक वसूल रहे हैं। वहीं, रजनीगंधा, कमला पसंद, शिखर, विमल और दिलरूबा जैसे पान मसाला पर एत हजार रुपये बोरी तक अधिक वसूले जा रहे हैं। **इन जगहों पर खुलेआम बिक रहा गुटखा :** अपर बाजार, मेन रोड, कचहरी, कलक्ट्रेट, न्यू मार्केट रातू रोड, कांके रोड, पिस्का मोड़, पंडरा, धुर्वा जैसे बाजर में गुटखा चोरी-छिपे नहीं, बल्कि खुलेआम बिक रहे हैं। एक होलसेलर ने बताया कि बैन लगने के बाद उनके

आयुष मेले का आयोजन करने का नहीं मिला कोई प्रस्ताव : केन्द्रीय मंत्री

राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने आयुष मंत्रालय से सवाल पूछे



रांची। आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया कि आयुष मेले के आयोजन संबंधी झारखंड सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। दरअसल, सांसद दीपक प्रकाश ने मंगलवार को इस संबंध में सवाल पूछा था। उन्होंने कहा कि इसकी सेवाओं को छोटे शहरों और प्राणीण क्षेत्रों में उपलब्ध कराने के लिए मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूरे देश मे 2021-24 तक 16 स्थानों पर आयुष मेले का आयोजन किया जा चुका है। वही 2024-25 और 2025-26 में चार राज्यों में आयुष मेले का आयोजन करने का प्रस्ताव है।

रेलवे संसोधन विधेयक विकसित भारत में सहायक : प्रदीप वर्मा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सांसद प्रदीप वर्मा ने रेलवे संशोधन विधेयक 2024 को विकसित भारत के लिये आवश्यक बताया है। श्री वर्मा मंगलवार को राज्यसभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह विधेयक भारतीय रेल के परिचालन को आधुनिक एवं अत्यंत पेशेवर ढंग से संचालित करने का प्रावधान करता है। उन्होंने इस विधेयक को मोदी जी की गारंटी

गन्ना उत्पादकों को ₹1 लाख तक की मदद देगी सरकार

■ गन्ना विकास कार्यालय रांची ने योग्य किसानों से अनुदान देने को 20 मार्च तक मांगे आवेदन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। गन्ना विकास रांची के सहायक निदेशक ने कहा है कि रांची सहित राज्य के दूसरे जिलों में गन्ना की खेती के लिए अनुदान दिया जायेगा। इसके लिए सहायक निदेशक गन्ना विकास कार्यालय रांची ने योग्य किसानों से आवेदन भी मंगाये हैं। इस योजना के तहत कुल 40 ऐसे किसानों को इसका लाभ दिया जायेगा, जो कम से कम एक हेक्टेयर एरिया में गन्ना की खेती करते रहे हों। गन्ना उत्पादकों को अधिकतम अनुदान उपादान (आईएमएफ/आईपीएम) के रुप में एक लाख रुपए तक की मदद मिलेगी। रांची के अलावा खुंटी, लोहरदगा, गुमला, पलामू, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, खरसावां, लातेहार, सिमडेगा, चाईबासा के इच्छुक किसान अपने अपने जिला



कृषि पदाधिकारी के पास निर्धारित फॉर्मेट में 10 मार्च से 20 मार्च तक आवेदन जमा कर सकते हैं। इन बिंदुओं का रखना होगा ध्यान रांची दीपक बिरूआ अपनी बात चाहिए। इस पर बीएओ/ बीटीएम/ एटीएम एवं जनप्रतिनिधि का सत्यापन आवश्यक होगा। साथ ही अनुशंसित सूची जिला कृषि पदाधिकारी के माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा। आवेदन के साथ वांछित डॉक्यूमेंट्स होने चाहिये।

भू-राजस्व, परिवहन और पथ निर्माण की अनुदान मांग ध्वनि मत से पारित

अब जमीन के व्यवसायिक उपयोग पर देना होगा टैक्स: दीपक बिरूआ

■ राज्य सरकार चारगाह और गैरमजूरवा भूमि रैयतों को वापस करने का कर रही विचार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विधानसभा के बजट सत्र के 11वें दिन भू राजस्व, परिवहन और पथ निर्माण की अनुदान मांग ध्वनि मत से पारित हो गया। भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरूआ अपनी बात रखते हुये सदन में कहा कि सरकार जमीन के व्यवसायिक उपयोग पर टैक्स लगाने पर विचार कर रही है। 1996 के अनुरूप ही पेसा नियमावली बनाने की प्रक्रिया जारी है। मॉडर्न रेकोर्ड रूम की स्थापना की जायेगी। अंचल और प्रखंड



कार्यालयों में कड़ाई की जायेगी। सीओ को म्यूटेशन रिजेक्शन के लिए 50 शब्दों में लिखकर ठोस कारण बताना होगा। उन्होंने कहा कि नियम-कानून से पारदर्शिता लायी जायेगी। उन्होंने कहा कि 1884 के भूमि अधिग्रहण अधिनियम को भाजपा सरकार ने संशोधन कर दिया। वर्ष 2013 के सेक्शन एक प्रावधान था कि जमीन

के उपयोग के बाद जो जमीन बचती है उसे पांच साल के बाद रैयत को वापस करने का प्रावधान था, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे लैंड बैंक में शामिल करने का प्रावधान कर दिया। चारगाह भूमि और गैर-मजूरवा भूमि को भी लैंड बैंक में शामिल कर दिया। सरकार ऐसे जमीन को रैयतों को वापस करने का विचार कर रही है।

महाधिवक्ता समेत कई अन्य अधिवक्ता न्यायालय की कार्यवाही में हुए शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। महाधिवक्ता समेत राज्य सरकार के कई वकील मंगलवार को चीफ जस्टिस समेत तीन जजों की कोर्ट में न्यायिक कार्य में शामिल हुए। कोर्ट खुलने के बाद अलग-अलग मामलों में पक्ष रखने के लिए सरकार के अधिवक्ता कोर्ट पहुंचे और सरकार की ओर से अदालत में बहस की। इससे पहले महाधिवक्ता ने पत्र जारी कर राज्य सरकार के लिए पक्ष रखने वाले

अधिवक्ताओं को यह निर्देश दिया था कि वे कोर्ट की कार्यवाही में शामिल हो, इस पत्र के बाद सोमवार को जो वकील उक्त न्यायालय की कार्यवाही में शामिल हुए उन्हें एसोसिएशन की ओर से शो कॉज किया गया। दरअसल एडवोकेट एसोसिएशन ने झारखंड हाईकोर्ट के सभी वकीलों को बुधवार (12 मार्च) तक चीफ जस्टिस समेत तीन जजों की कोर्ट में न्यायिक कार्य में शामिल नहीं होने का निर्देश दिया है।

रांची शहर में बार एवं रेस्टोरेंट के संचालन से संबंधित पीआइएल बंद

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची शहर में चल रहे बार एवं रेस्टोरेंट के संचालन से संबंधित अनुराग कुमार की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। कोर्ट ने राज्य सरकार का पक्ष सुनने के बाद एवं रांची नगर निगम को निर्देश देते हुए याचिका निष्पादित करते हुए बंद कर दिया। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ को महाधिवक्ता राजीव रंजन एवं अधिवक्ता पिषूप चित्रेश ने बताया कि रांची में चल रहे 33 रूप टॉप बार एवं रेस्टोरेंट जिनके पास मैप की स्वीकृति सहित उचित लाइसेंस नहीं था, उससे रांची नगर निगम ने शो कॉज नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। उनके जवाब

पर असंतुष्टि जताते हुए रांची नगर निगम ने रांची शहर के 33 रूप टॉप बार एवं रेस्टोरेंट को बंद करते सील कर दिया है।

महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि राज्य में बार एवं रेस्टोरेंट के संचालक को लेकर राज्य सरकार जल्द एक नियमावली ला रही है। कोर्ट ने रांची नगर निगम को निर्देश दिया कि वह समय-समय पर बार एवं रेस्टोरेंट का निरीक्षण करते रहें जिससे बार एवं रेस्टोरेंट में अवैध निर्माण पर रोक लगे। साथ ही बार एवं रेस्टोरेंट में सुरक्षा मानक का इंतजाम सही तरीके से हो सके। बता दें कि अनुराग कुमार ने जनहित याचिका दायित्व पर रांची शहर में मंदिर, स्कूलों के निकट बार एवं रेस्टोरेंट के संचालक पर रोक लगाने का आग्रह किया था।

‘स्मार्ट रांची कनेक्ट सेंटर’ शुरू, अब हर दिन नगर निगम से जुड़ी शिकायतें कर सकेंगे दर्ज

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। नगर निगम ने शहरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखकर ‘स्मार्ट रांची कनेक्ट सेंटर’ की शुरूआत की है। इस सेंटर के जरिए आम जनता अब अब 24 घंटे सातों दिन किसी भी समय नगर निगम से जुड़ी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। शिकायतें टोल-फ्री नंबर, मोबाइल ऐप, वेबसाइट या व्हाट्सएप चैटबॉट के माध्यम से की जा सकती है।

शिकायतों का त्वरित होगा निपटारा

स्मार्ट रांची कनेक्ट सेंटर नगर निगम भवन के ग्राउंड फ्लोर पर संचालित किया जा रहा है। यहां रोजाना 60-65 शिकायतें दर्ज हो रही हैं, जिनमें से 85% शिकायतों का समाधान उसी दिन कर दिया जाता है। अधिकतम 72 घंटे के भीतर हर शिकायत का समाधान करने का लक्ष्य रखा गया है। फिलहाल, सबसे ज्यादा

शिकायतें स्ट्रीट लाइट्स से जुड़ी आ रही हैं।

गुजरात की कंपनी को संचालन की जिम्मेवारी

स्मार्ट रांची कनेक्ट सेंटर को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए गुजरात की कंपनी को टेंडर दिया गया है। नगर निगम की यह पहल स्मार्ट रांची के निर्माण में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे शहरवासियों को जल्द और प्रभावी समाधान मिल सकेगा।

कांग्रेस प्रभारी के बयान पर भाजपा ने दी प्रतिक्रिया

कांग्रेस में कौन-कौन हैं भाजपा के स्लीपर सेल : प्रतुल शाहदेव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के राजू के द्वारा पिछले कुछ दिनों से लगातार दिये जा रहे बयान पर उनको घेरा। ज्ञात है कि प्रभारी के राजू लगातार झारखंड कांग्रेस में भाजपा के स्लीपर सेल होने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि के राजू के इस बयान ने पूरी की पूरी झारखंड कांग्रेस को कटघरे में खड़ा कर दिया है। अब कांग्रेस के कार्यकर्ता ही एक दूसरे को शंका की दृष्टि से देख रहे हैं। उनको स्पष्ट करना चाहिये कि आखिर भाजपा का स्लीपर सेल



कांग्रेस में कौन है। उन्होंने कहा ऐसा बयान देकर कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी ने दशकों से निष्ठा से झंडा उठा रहे हजारों कांग्रेसियों के निष्ठा पर ही प्रश्न चिन्ह कर दिया है। उन्होंने कहा कि अफसोस कांग्रेस का कोई एक नेता भी प्रभारी के इस बयान का विरोध नहीं कर रहा है। किसी समय कांग्रेस में आंतरिक प्रजातंत्र जीवित हुआ करता था लेकिन अब तो अपने बड़े नेताओं के सामने कांग्रेस के

कार्यकर्ता गलत बात का विरोध भी नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि दरअसल कांग्रेस प्रभारी काँग्रेस के गुरुराज राहुल गांधी जी का अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे मुद्दे का आश्चर्यजनक पहलू है कि कांग्रेस झामुमो की पीठ पर चढ़कर दो बार झारखंड में चुनावी बैरणी पार कर चुकी है। फिर भी कांग्रेस के प्रभारी को कांग्रेस में भाजपा का स्लीपर सेल दिख रहा है। उन्होंने कहा अगर प्रभारी स्लीपर नहीं कर रहा है। किसी समय कांग्रेस में आंतरिक प्रजातंत्र जीवित हुआ करता था लेकिन अब तो अपने बड़े नेताओं के सामने कांग्रेस के

जेएसएमडीसी की खदान जल्द होगी शुरू : योगेंद्र प्रसाद

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने मंगलवार को सदन में कहा कि चंदवा प्रखंड स्थिति सिक्की कोयला खदान को जल्द फिर से चालू किया जायेगा। कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर इसका नवीनीकरण किया जायेगा। लातेहार जिलांतर्गत चंदवा प्रखंड के सिकनी में जेएसएमडीसी द्वारा धारित कोल खनन पट्टा की अवधि 27 फरवरी 2025 तक थी। खनन पट्टा अवधि विस्तार का प्रस्ताव स्वीकृत के प्रक्रियामधीन है। विधायक प्रकाश राम ने तारार्कित प्रश्न के माध्यम से बंद पड़ी जेएसएमडीसी की कोयला खदान को फिर से चालू किये जाने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि इससे 10 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला था लेकिन बंद होने से विस्थापन की समस्या और राज्य को राजस्व की हानि हुई है।

भटिंडा फॉल का विकास और सौंदर्यीकरण हो : राज सिन्हा

रांची। धनबाद विधानसभा क्षेत्र से विधायक राज सिन्हा ने धनबाद विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत भटिंडा फॉल को विकसित और सौंदर्यीकरण करने की मांग तारार्कित प्रश्न के माध्यम से की। उन्होंने कहा कि यह पर्यटन स्थल अधिसूचित



होने बाद भी इसका सौंदर्यीकरण

नहीं हो पाया है। इससे पर्यटकों को असुविधा हो रही है। उन्होंने वहां के स्थानीय युवकों को जो गोताखोर की काम करते हैं, उन्हें प्रोत्साहन देने लिए सरकार की योजना से जोड़ने की भी मांग की। इस पर मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा

कि यह स्थल बी श्रेणी में अधिसूचित है। उसके सौंदर्यीकरण के मद में 1.40 करोड़ रुपये दिये गये हैं। जहां तक वहां के स्थानीय युवकों की बात है तो उन्हें पर्यटन मित्र के रूप में रखा जायेगा। इसके लिये उन्हें ट्रेनिंग भी दिलायी जायेगी।

नवनिर्मित कॉलेजों में पढ़ाई जल्द होगी शुरू : सुदिव्य



रांची। मंत्री सुदिव्य कुमार ने सदन में दुमरी विधानसभा के पंचायत कल्हाबार में डिग्री कॉलेज और नवाबार में आईटीआई कॉलेज में पठन पाठन का कार्य जल्द शुरू करने का आवासन दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का प्रशिक्षण हो रहा है। इसकी कमी दूर होते ही पढ़ाई शुरू हो जायेगी। छात्र-छात्राओं की संख्या के आलोक में भी पठन पाठन कार्य शुरू कराया जायेगा। दरअसल, विधायक जयराम महतो ने तारार्कित प्रश्न के माध्यम से दोनों नवनिर्मित कॉलेजों में सत्र 2025-26 से पठन पाठन शुरू कराये जाने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि दोनों ही कॉलेज वर्ष 2023 में ही बनकर तैयार हो गये हैं। लेकिन अभी तक पढ़ाई शुरू नहीं हुई है जिससे छात्रों को कठिनाई हो रही है।

देवरी सूर्य मंदिर को पर्यटन स्थल घोषित करने का निर्देश

रांची। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर सुविधाओं विकसित करने को सरकार प्रतिबद्ध है। पलामू जिले के अंतर्गत हुसैनाबाद अनुमंडल के देवरी सूर्य मंदिर को पर्यटक स्थल घोषित करने के लिए जिले के डीसी को निर्देशित किया गया है। जहां तक वहां छठ घाट निर्माण की बात है तो विधायक इसे जिला संवर्द्धन समिति के माध्यम से सरकार के पास भेजवायें, काम कराया जायेगा। समिति में विधायक भी शामिल हैं। विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से यह सवाल सदन में उठाया था। उन्होंने पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल में देवरी में स्थित सूर्य मंदिर के पास सोन नदी में छठ घाट का निर्माण कराये जाने की मांग सरकार से की थी।

सरकार से सोन नदी में छठ घाट का निर्माण कराये जाने की मांग की थी

संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि अगर जुटि हो रही हो तो ठोस प्रमाण दें। ऐसे अधिकारी पर आरोप नहीं लगा सकते हैं। कोई भी सक्षम डिपार्टमेंट के सेक्रेट्री को टेंडर से कोई लेना-देना नहीं होता है। इस पर सत्येंद्र तिवारी ने राधाकृष्ण किशोर को रुपया मंत्री कहकर संबोधित किया। इस पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि सत्येंद्र तिवारी सड़क छाप भाषा बोल रहे हैं। वे सबूत दें। अनुप सिंह ने कहा कि पदाधिकारी बेहतर



में अफीम की खेती को नष्ट किया है। अफीम, चरस, गांजा के तस्करो पर पुलिस ने लगाम लगाया है। मादक पदार्थों के खरीद बिक्री करने वाले पकड़े जा रहे हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस मादक पदार्थ की खेती को नष्ट कर रही है और मादक पदार्थों के खरीद बिक्री करने वालों को गिरफ्तार कर रही है। अफीम की खेती नष्ट किए जाने

से संबंधित कार्रवाई टेबुलर चार्ट के माध्यम से कोर्ट में प्रस्तुत किया गया।

कोर्ट ने सरकार के जवाब पर संतुष्टि जताते हुए इस जनहित याचिका को बंद कर दिया। दरअसल, खुंटी में अफीम के फसलों को नष्ट करने एवं झारखंड में अफीम, चरस, गांजा आदि ड्रग्स के कारोबार में लगातार वृद्धि पर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था।

पक्ष-विपक्ष आमने-सामने भाजपा ने किया वॉकआउट



खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विधानसभा के बजट सत्र के मंगलवार को हद्दतीय पाली में सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हो गये। भाजपा विधायक सत्येंद्र तिवारी ने पथ निर्माण सचिव के उपर गंभीर आरोप लगाये। उन्होंने कहा कि टेंडर में सेक्रेट्री की भी सांठ-गांठ है। इस विभाग के टेंडर में दो चार लोग ही भाग लेते हैं। इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि जो मन आ रहा है, वे बोल रहे हैं। इतने में सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ओर से तीखी बहस होने लगी।



गुणवत्ता से साथ काम करा रहे हैं। मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि 20 से 30 फीसदी बिल में टेंडर जा रहा है। 17 साल भाजपा ने राज किया। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अफसर दूध के घुले हुए नहीं हैं। पथ निर्माण सचिव जब हजारीबाग में डीसी थे। तब एनटीपीसी के अफसरों के साथ मारपीट की थी। एनएचआरसी ने 25 हजार रुपये का दंड लगाया था। सरकार बताये कि दंड की राशि जमा कराई कि नहीं। इसके बाद भाजपा विधायक वेल में चले गये। फिर सदन से वॉकआउट किया। सत्येंद्र तिवारी ने कहा कि सीओ के पास बिना मोटा चढ़ावा के दाखिल खारिज नहीं होगा। 1932 के बाद कोई रिविजन सर्वे नहीं हुआ है। रजिस्टर-टू का पन्ना खारताहाल में है। हरेक 15 साल में रिविजन सर्वे होना चाहिये। खान खनिज के लिए कोई ठोस नीति नहीं बना है। बजट में बालू का कोई जिक्र नहीं है। बालू घाटों की नीलामी नहीं होने के लिये जेएसएमडीसी जिम्मेवार है। इसमें कई सफेदपोश भी सलिलन हैं। इनकी संपत्ति की जांच कराई जाये।



सदस्यता अभियान को लेकर महिला कांग्रेस की बैठक आयोजित जिला कमेटी को 100 एवं प्रखंड कमेटी को 50 मेंबर बनाना अनिवार्य है : गुंजन सिंह

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रिस्स की महिला विकित्सकों को किया गया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष गुंजन सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कांग्रेस भवन, रांची में प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी का पुनर्गठन सह सदस्यता अभियान को लेकर एक आवश्यक बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो, विधायक ममता देवी, रेवता सिंह, लोकसभा प्रत्याशी अनुपमा सिंह



उपस्थित हुई।

बैठक के दौरान अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रिस्स के डॉक्टर्स किरण त्रिवेदी, डॉ पुष्पांजलि, डॉ सुष्मा, डॉ अनुपा एवं हाईकोर्ट के अधिवक्ता मनिषा, अद्विता आदिविता आर्या समेत अन्य को सम्मानित किया गया। इसके बाद मिलन समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें रांची से सीमा श्रीवास्तव, खुंटी से जसीता बारला, पलामू से

रेखा सिंह, पाकुड़ से शहनाज खातून ने अपने समर्थकों के साथ प्रदेश महिला कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष गुंजन सिंह ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक को तुरंत लागू करने और उसमें ओबीसी कोटे की महिलाओं को शामिल करने की मांग को लेकर मार्च के अंतिम

सप्ताह में राजभवन घेराव कार्यक्रम किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जिला कमेटी को 100 एवं प्रखंड कमेटी को 50 मेंबरशिप करना अनिवार्य है तभी कमेटी में जगह मिल पायेगी।

प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह ने मंडियां सम्मान योजना के तहत सभी प्रदेश की गरीब महिलाओं के खता में प्रोत्साहन राशि दिये जाने पर गठबंधन

सरकार को बधाई दी है तथा कहा कि राज्य की महिलाएं राज्य सरकार के क्रियाकलापों से काफी खुश हैं।

बैठक के अंत में प्रदेश महिला कांग्रेस द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह ने उपस्थित सभी महिला कांग्रेस पदाधिकारियों को लाल गुलाल लगाकर होली की अग्रिम बधाई दी। इसके बाद सभी ने एक-दूसरे को अबीर लगाकर होली की बधाई दी।

बैठक में मुख्य रूप से कंचन चौधरी, पुनीता चौधरी, पिंकी सिंह, संगीता टोप्पो, नीलम सहाय, पार्वती सिंह, सीमा साहु, शहनाज खातून, शिल्पी चक्रवर्ती, सीमा मोहंती, नमिता सिंह, मोनू सिंह, अनीता सिन्हा, राम दुलारी देवी, क्रिस्टीना बारला, रांची मेरी तिकी, वर्षा, रेखा सिंह, सीता राणा, मंजू जोशी, बैबी देवी, प्रमिला देवी, अनमोल कुमारी, रंजु प्रिया आदि शामिल थीं।

झारखंड रक्षा शक्ति विवि में उड़े रंग- गुलाल



रांची। झारखंड रक्षा शक्ति विवि में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लेकर होली की खुशियां साझा की। रंगों से सराबोर इस समारोह में आपसी सौहार्द, भाईचारा और एकता के अनूटी झलक देखने को मिली। सभी ने रंगों की बौछार की और होली के पारंपरिक गीतों पर झूमते हुए सभी ने उत्सास मनाया। कार्यक्रम में विवि के कुलसचिव डॉ हेमंद्र कुमार भगत व सभी विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को फगुआ का गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। इस दौरान छात्रों ने संस्कृतिक कार्यक्रमों का भी भरपूर आनंद लिया। रंगारंग प्रस्तुतियों और पारंपरिक गीतों के बीच पूरा वातावरण उत्सासमय हो गया। नागपुरी, हिंदी गानों के बीच भोजपुरी के होली गानों पर खूब डांस मस्टी हुई। होली खेलें रघुबीरा, बलम पिचकारी जो तूने मारी सिटी, होलिया में उड़े रे गुलाल, कौन कलर का साड़ी पहनी हो जैसे गानों पर खूब गुलाल उड़े। कार्यक्रम में डॉ. नागेश कुमार, डॉ. विकास कुमार, डॉ कृति निगम, डॉ. शशि जे, रवीना, अभिषेक कुमार, नितेश, अजीत, सानू, फरहीन, समा, नेहा, प्रेम, दिव्या, फरीद, आर्दन, श्रेया, शिवम, रोहित, पायल, आरती, आकृति, उमर, अमृता समेत अन्य लोग मौजूद थे।

आरयू नियम विरुद्ध कार्य करेगा तो इसका विरोध करेगा एनएसयूआइ

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अमन अहमद ने कहा है कि रांची विश्वविद्यालय में शिक्षकों की कमी को देखते हुए कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा रिसर्च स्कॉलर को पढ़ाने की जिम्मेदारी देने पर विचार कर रहे हैं, जो उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए घातक है। वहीं, दूसरी ओर यूजीसी, जेपीएससी तथा विश्वविद्यालय अधिनियम में भी यह प्रावधान नहीं है कि आप रिसर्च स्कॉलर को परमानेंट फैकल्टी की जगह कार्यभार सौंप दें। दूसरी ओर नियमित शिक्षक का कार्यभार पहले से इतना ज्यादा है कि उसके बाद उन पर अतिरिक्त भार देना कहीं से भी उचित नहीं है। वे स्वयं कार्य नहीं कर पाएंगे बल्कि इस कार्य के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होगी। उन्होंने कहा कि यदि, रांची विश्वविद्यालय इस तरह का निर्णय लेता है, तो संगठन द्वारा

इसका जोरदार विरोध किया जाएगा। विश्वविद्यालय शिक्षकों की कमी का रोना रो रहा है, जबकि गत कई वर्षों से अतिथि शिक्षकों ने इस कार्यभार को बखूबी संभाला है। बावजूद उन्हें भी कार्य करने से रोक दिया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि विश्वविद्यालय को शिक्षा से कोई वास्ता नहीं रह गया है। कुलपति सिर्फ राजनीति करना चाह रहे हैं। उनका कार्यक्रमाल महज चंद दिनों का है। इसलिए वे विश्वविद्यालय में समस्याएं खड़ी कर और चीजों को उलझा कर जाना चाहते हैं। संगठन उन्हें ऐसा नहीं करने देगा। छात्रहित में जो भी न्यायसंगत कदम होगा संगठन उठाएगा। श्री अहमद ने कहा जब तक जेपीएससी द्वारा स्थाई बहाली नहीं हो जाती है, तब तक अस्थायी तौर पर अतिथि शिक्षकों की सेवा ली जाए लेकिन इसमें भी भाई भतीजावाद को दरकिनार करना होगा।

सदर थाना निवासी 70 वर्षीय वृद्ध लापता



रांची। बांघागी, दीपाटोली, सदर थाना निवासी ओसियन देमता दास सोमवार से लापता हैं। उनके पुत्र नितेश देमता ने सदर थाना में सनहा दर्ज कर उसके पिता को ढूँढने की गुहार लगायी है। नितेश देमता ने बताया कि उसके पिता सोमवार दोपहर 12 बजे से अपने निवास स्थान से लापता हैं। बहुत ढूँढने के बाद भी अभी तक उनका कुछ पता नहीं चल सका है। उसके पिता का उम्र 70 वर्ष, रंग साबला, औसत ऊंचाई 6 फीट एवं सफेद शर्ट और काला पैंट पहने हुए हैं। जिस किसी सज्जन को उनके बारे में पता चले कृपया मो. 9199779124, 7761816092 पर सूचना देने की कृपा करें।

नेत्रहीन बालिकाओं ने वृद्धाश्रम में मनाया होली मिलन समारोह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। ब्रजकिशोर नेत्रहीन बालिका विद्यालय बड़गाई की प्रतिभाशाली दिव्यांग बालिकाओं ने होली के शुभ अवसर पर बरियातू स्थित वृद्धाश्रम में एक अद्भुत होलिका मिलन समारोह का आयोजन किया।

इस आयोजन ने वृद्धाश्रम के निवासियों को अपार हर्ष और भावनात्मक संबल प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरुआत बालिकाओं द्वारा भजन और होली गीतों की मधुर प्रस्तुतियों से हुई, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय और



आनंदमय बना दिया। इसके बाद, बालिकाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें ऊर्जावान नृत्य

और सुमधुर गायन शामिल था। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों को भाव-

विभोर कर दिया और वृद्धजनों को आनंद से भर दिया। वृद्धाश्रम के निवासियों ने

बालिकाओं को गुलाल लगाकर आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर वृद्धाश्रम की अध्यक्ष सुशीला गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन हमारे लिए अविस्मरणीय रहेगा। इन बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से साबित कर दिया कि दिव्यांगता किसी की सफलता में बाधा नहीं बन सकती। उनकी प्रस्तुति ने हमारे दिलों को छू लिया। समारोह के दौरान वृद्धाश्रम के निवासियों ने बालिकाओं के सम्मान में विशेष भोजन की व्यवस्था की थी, जिसका सभी ने आनंद लिया।

पूर्व विधायक परिषद की बैठक में सम्मेलन आयोजित करने का लिया गया निर्णय

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। झारखंड राज्य पूर्व विधायक परिषद के कार्यकारिणी समिति की बैठक परिषद के अध्यक्ष देवेन्द्र नाथ चाँपिया की अध्यक्षता में मंगलवार को परिषद कार्यालय के सभागार, धुर्वा, रांची में हुई।

बैठक में आगामी अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में एक दिवसीय झारखंड राज्य पूर्व विधायक परिषद का सम्मेलन रांची में करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में झारखंड राज्य विधायक, सांसद, गृह निर्माण स्वावलंबी सहकारिता समिति के सदस्यों को क्रमः यथाशीघ्र भू-आवंटन करने, आवास बोर्ड में पूर्व विधायकों को एक प्रतिशत भू एवं प्लैट आवंटन



करने, विगत दिनों विधानसभा में कूपन उपलब्ध न रहने के कारण जिन सदस्यों द्वारा वायु एवं रेल मार्ग द्वारा निजी खर्च से यात्रा किये हैं, उसकी प्रतिपूर्ति निर्धारित राशि से करने हेतु विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध करने का फैसला लिया गया। बैठक में अध्यक्ष के अलावे

भुनेश्वर प्रसाद मेहता, केशव महतो कमलेश, शंकर चौधरी, रामजीलाल शारदा, बैजामिन मुर्मू, राज राजेन्द्र प्रताप देव, लोकनाथ महतो, सुधा चौधरी, रमेश उरांव, डॉ लंबोदर महतो, एसके प्रसारी, अभयकांत प्रसाद, राजेन्द्र नाथ शाहदेव आदि उपस्थित थे।

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति ने किया भूमि पूजन, 30 को कलश स्थापना

रांची। भुतहा तालाब स्थित श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति की ओर से शताब्दी वर्ष और चैत्र नवरात्रि के अवसर पर पंडाल निर्माण का शुभारंभ हुआ। भूमि पूजन और पूजा अर्चना का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य पुजारी सुभाष चंद्र मिश्रा ने विधिपूर्वक पूजा अनुष्ठान कराया। मां भवानी की पूजा और आरती की

गई। भक्तों के बीच प्रसाद भी बांटा गया। प्रवक्ता नमन भारतीय ने बताया कि चैत्र नवरात्रि के अवसर पर भव्य पंडाल बनाया जायेगा। मंदिर को आकर्षक लाइटों और फूलों से सजाया जाएगा और श्रद्धालुओं के आगमन के लिए भव्य मुख्य द्वार भी बनाया जाएगा। इसके अलावा सती मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की

जाएगी। भूमि पूजन में मुख्य संरक्षक किशोर साहु, राजकुमार गुप्ता, उदय साहु, अध्यक्ष शंकर दुबे, कार्यकारी अध्यक्ष दीपू सिंह, महामंत्री गोपाल पारीक, कोषाध्यक्ष संजय सिंह (लल्लू सिंह), प्रवक्ता नमन भारतीय, मीडिया प्रभारी सौरभ राय, रोहित सिंह और अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

खबर एक नजर में

बैंक ऑफ इंडिया, रांची आंचलिक कार्यालय राजभाषा सम्मान के तहत प्रथम पुरस्कार से सम्मानित

रांची।

क्षेत्रीय कार्यालय कार्यालय (पूर्व क्षेत्र) के अंतर्गत 'क' क्षेत्र में संघ की राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन तथा राजभाषा के प्रगामी



प्रयोग हेतु वर्ष 2023-2024 के लिए बैंक ऑफ इंडिया, रांची कार्यालय को राजभाषा सम्मान के तहत प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय पूर्व एवं पूर्वोत्तर द्वारा 05 मार्च को युवाहाट, असम में आयोजित पूर्व एवं पूर्वोत्तर का संयुक्त राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में बैंक ऑफ इंडिया की उप आंचलिक प्रबंधक बनिता मोहापात्रा एवं वरिष्ठ प्रबंधक स्थाति कुमारी प्रसाद के द्वारा शील्ड एवं प्रमाणपत्र ग्रहण किया गया। इस पुरस्कार समारोह के विशेष अतिथि मुख्यमंत्री, असम हेमंत बिस्वा सरमा एवं समारोह के अध्यक्ष केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री, नित्यानन्द राय के कर कमलों से राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के सचिव अशुलि आर्या, आई.ए.एस एवं संयुक्त सचिव, डा. मीनाक्षी जौली की उपस्थिति में प्राप्त हुआ।

केनरा बैंक में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

रांची। केनरा बैंक, अंचल कार्यालय, रांची में सुजीत कुमार साहू, महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख के कुशल नेतृत्व एवं अध्यक्षता में मंगलवार को



अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती प्रीति कुमारी, आईएसएस एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मेजर शालिनी सिंह, भारतीय सेना, डीपा टोली कैंट उपस्थित रही। उप महाप्रबंधक ने औपचारिक रूप से स्वागत सम्बोधन प्रस्तुत कर सभी का स्वागत किया। सुजीत कुमार साहू, महाप्रबंधक ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि घर, समाज, देश, भक्त एवं विभिन्न कार्यस्थल में महिलाओं का विशेष योगदान है। केनरा बैंक में महिलाएं उच्च पद पर कार्यरत हैं और बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। कार्यक्रम में अंचल कार्यालय के सभी कार्यपालकगण एवं अधिकारीगण ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

‘दवा’ ने गरीब आजाद के ईलाज को दिये आर्थिक सहयोग

रांची। समाज में जरूरतमंदों के सहयोग के लिए प्रतिबद्ध डॉक्टर वाइयस एसोसिएशन (दवा) ने मंगलवार को फिर एक 15 साल का बच्चा, जिसके हाथ में केमिकल गिर गया था, उसका सहयोग किया। बूटी मोड़ स्थित लाइफकेयर होस्पिटल में भर्ती आजाद कुमार को इलाज के दौरान दवािता हाथ खोना पड़ा। आयुष्मान कार्ड न होने के कारण बच्चे के परिवार को पैसे की भारी तंगी का सामना करना पड़ रहा है। दवा कोष फंड के साथ-साथ सारे एजीक्यूटिव मेंबर्स ने अपने निजी स्तर से भी पैसे से सहयोग किया। दवा की वेयरपरसन विनीता शरण, फांडर एंड को-वेयरपरसन झूमा सरकार, अध्यक्ष आरती सिंह, सचिव अंजू सिंह, कोषाध्यक्ष सिंधु भदानी के साथ-साथ सारे एजीक्यूटिव मेंबर्स ने मिलकर आजाद कुमार के परिवार को 40,000 रुपये का चेक देकर सहयोग किया एवं दवा के जेनरल मेंबर्स ने भी 24,000 रुपये का सहयोग किया। डॉक्टर वाइयस एसोसिएशन ने बच्चे के शीघ्र अतिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

संत जेवियर्स कॉलेज के एनुअल स्पोर्ट्स मीट में चेतन व अंजिता बने सर्वश्रेष्ठ एथलीट

रांची।

संत जेवियर्स कॉलेज रांची के खेल विभाग की ओर से आयोजित स्पोर्ट्स एनुअल मीट 2025 का मंगलवार को समापन हो गया। 2025 का सर्वश्रेष्ठ एथलीट (छात्र वर्ग) का



खिताब स्नातक भूगोल विभाग के चेतन कुमार डांग को मिला। वहीं, सर्वश्रेष्ठ एथलीट (छात्रा वर्ग) का खिताब स्नातक भूगोल विभाग की छात्रा अंजिता उरांव को मिला। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज की पूर्व छात्रा व ग्रामीण कार्य मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह उपस्थित थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बताया कि बतौर मुख्य अतिथि कॉलेज में उपस्थित होकर गौरवान्वित महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि कॉलेज हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहा है। उन्होंने अपने पक्कव में चेहराया कि वन्त आ जेवियरियन, ऑलवेयस आ जेवियरियन। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ फादर रॉबर्ट प्रदीप कुंजूर एसजे ने कहा कि पढ़ाई के साथ कॉलेज के विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपना अव्वल दे रहे हैं। 3 मार्च से आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों के दौड़, गोला फेंक, हाई जंप जैसे विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। मौके पर कॉलेज के रेक्टर डॉ फादर सुधीर मिज एसजे, उपप्राचार्य डॉ फादर अजय अरुण मिंज एसजे, डॉ फादर पल्लोरेस पूर्ति एसजे, रजिस्ट्रार डॉ फादर प्रभात केनेडी सोरेंग एसजे, डॉ जयंत सिन्हा, डॉ मारकुस बारला, स्पोर्ट्स इंजार्ज राम मुर्मू सहित अन्य प्राध्यापकगण और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।



मेक अमेरिका ग्रेट अगेन

वर्ष 2008-2009 के वैश्विक वित्तीय संकट को विशाल असम्भौतिक कहा गया था। 2020 की महामारी को विशाल लॉकडाउन का नाम दिया गया था। इन घटनाओं ने बड़े पैमाने पर आर्थिक प्रभाव डाला लेकिन विश्व व्यवस्था को भंग नहीं किया। दूसरे विश्व युद्ध के बाद जो व्यवस्था बनी थी अब उसे भंग किया जा रहा है। उनका नारा है मेक अमेरिका ग्रेट अगेन यानी अमेरिका को दोबारा महान बनाना है। इस कोशिश में उनके हथियार हैं मौजूदा वैश्विक समझौतों (पेरिस समझौता) और संस्थानों (विश्व स्वास्थ्य संगठन) से दूरी बनाना, साझेदारों (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो) से अधिक मांग करते हुए उनका रक्षा व्यय सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के दो फीसदी तक बढ़ाना, अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने के लिए टैरिफ बढ़ाना और लाखों प्रवासियों को वापस भेजना। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं को अमेरिकी मदद की छमाही समीक्षा शुरू की है। इनमें विश्व बैंक तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष शामिल हैं। अमेरिका का व्यापार भारित टैरिफ 2.2 फीसदी है जो उसके कई साझेदारों से कम है। केवल जापान में यह 1.7 फीसदी है। यूरोपीय संघ में यह टैरिफ 2.7 फीसदी, चीन में 3 फीसदी, कनाडा में 3.4 फीसदी, मेक्सिको में 3.9 फीसदी, वियतनाम में 5 फीसदी, ब्राजील में 6.7 फीसदी, दक्षिण कोरिया में 8.4 फीसदी और भारत (ट्रंप के शब्दों में टैरिफ किंग) में 12 फीसदी है। परंतु ट्रंप ने टैरिफ में भारी इजाफा किया है। उन्होंने स्टील और एल्युमीनियम पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया है। कनाडा और मेक्सिको के साथ व्यापार समझौते के बावजूद उन्होंने उन पर 25 फीसदी का शुल्क लगाया। चीन पर 10 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क लगाया गया और भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय संघ पर बराबरी का शुल्क लगाने की घोषणा की है।



मेष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्थ लोगों से काम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। लें देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बढ़हाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से सामगम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संचलन हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।शुभांक-2-5-7

मिथुन : कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना एक्कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क : परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियां पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, आयव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह : व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए **मुद्रक, प्रकाशक मंजू सिंह**

द्वारा चि्रदी, बोदेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक **सौरभ कुमार संपादक अविनाश ठाकुर*** फोन : 95708-48433 पिन:- 834006 e-mail khabarmantra.city@gmail.com R.N.J No. JHAHIN/2013/51797 धनबाद कार्यालय लुबी संकुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित। (R.N.J No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।



प्रभित्यक्ति

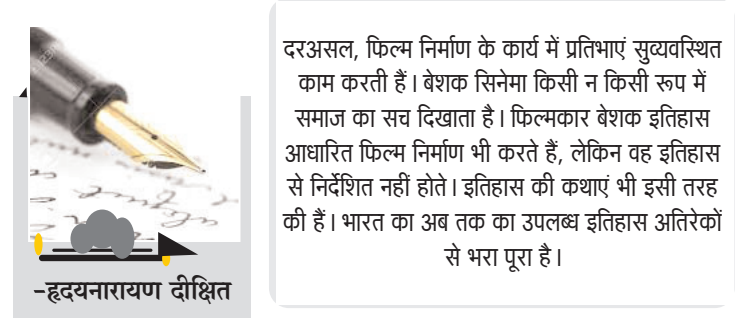
छावा ने तमाम भारत भक्तों को आकर्षित किया

सिनेमा दृश्य श्रव्य माध्यम है। यह करोड़ों

को रोजगार देता है और प्रतिभाशाली लोगों को सृजन के अवसर। लेकिन बड़े पर्दे के सिनेमा के दर्शक घटे हैं। सोशल मीडिया में अनेक रास्तों से फिल्मी दृश्य और गाने सुने-देखे जा सकते हैं। एक तरह से बहुत बड़े हाल में बैठकर अपनों के साथ फिल्म देखने का अवसर अब नहीं रहा। इधर तीन-चार फिल्में ऐसी आईं जिनमें हिंसा का अतिरेक था। कुछ वेब सीरीज में भी हिंसा और गलियों की बौछार है। ऐसे कथानक कला का आनंद नहीं देते। सभी कलाएं आनंद मार्गी हैं। गीत-संगीत चित्त में आनंद रस का सृजन करते हैं। कुछ फिल्मों की कहानी भी रुचि पैदा करती है। सिनेमा अभी लाखों दर्शकों को सम्मोहित करता है। इस पर देश के जागरूक लोगों को खुशी मानी चाहिए कि तमाम आधुनिक उपकरणों और तरीकों के बावजूद सिनेमा अभी भी अपना स्थान पूरी प्रतिष्ठा के साथ बनाए हुए है। इस लिहाज से निर्देशक लक्ष्मण के निर्देशन में बनी फिल्म ह्वाछावाह्द दर्शकों की वाहवाही लूट रही है। इस वाहवाही के अनेक कारण हैं। केवल फिल्मिकन ही नहीं। यह अभिनय की दृष्टि से भी कमजोर फिल्म नहीं है। कसे संवाद और कलाकारों का अभिनय फिल्म के आकर्षण का कारण है। फिल्म की राष्ट्रीय चर्चा है। इसका मूल कारण औरंगजेब का व्यक्तित्व है।औरंगजेब किसी एक व्यक्ति का नाम भर नहीं है। औरंगजेब का नाम लेते ही लगभग 350-400 साल पहले भारतीय संस्कृति और परम्परा को रौंदने वाले अत्याचारी शासक का चेहरा सामने आ जाता है। कथित सेकुलरों ने औरंगजेब की प्रशंसा में बहुत कुछ लिखा है। वह उसे फकीर और संत सिद्ध करने में आमादा हैं। औरंगजेब इस देश की संस्कृति को नष्ट करने के लिए ज्यन्दा जाना गया है। स्वयं ईश्वर की उपासना करता था लेकिन उसे हिन्दुओं को यह छूट देने पर ऐतराज था। औरंगजेब का एक भाई दारा शिकोह भारतीय संस्कृति और दर्शन का अनुरागी था। अब्बा शाहजहां ने दारा शिकोह के लिए उपनिषद् और वेदांत पढ़ने वाले आचार्यों की नियुक्ति की थी। उसके मन में इस संसार को जान लेने की जिज्ञासा थी। पिता ने ऐसी ही व्यवस्था औरंगजेब के लिए भी की थी। औरंगजेब ने अपने अध्यापक आचार्य को चिट्ठी लिखी थी कि, हमारे पिता ने आपको मुझे दर्शनशास्त्र पढ़ाने के लिए नियुक्त किया है, जबकि दर्शन में कोई लाभप्रद बात है ही नहीं। जो विषय समझ में नहीं आते जो, समझने और याद करने में क्लिष्ट होते हैं,



वही दर्शन शास्त्र है। अच्छा होता कि आप मुझे शहर में घेरा डालने की विधि समझाते।ह्द औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को भी



जेल में डाल दिया था। फिल्म छावा में भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण अंश को दर्शाया गया है। फिल्म के मुख्य अभिनेता विकी कौशल के अभिनय की भी प्रशंसा हो रही है। औरंगजेब के व्यक्तित्व को पर्दे पर उतारने के लिए अतिरिक्त साहस और बुद्धि की आवश्यकता थी। फिल्म के निर्देशक इस कार्य में सफल हुए हैं। औरंगजेब ने सनातन धर्म के सभी नियमों, आस्था और विश्वास को खत्म करने का काम किया था। काशी का मंदिर ध्वस्तोकरण औरंगजेब के काले कारनामों में से एक है। मूर्ति पूजा और मंदिरों में जाना औरंगजेब की निगाह में अपराध था। हम भारत के लोग औरंगजेब की प्रशंसा नहीं सुन सकते। छत्रपति शिवाजी आराध्य हैं। फिल्म में छत्रपति शिवाजी के पुत्र की भूमिका बहुत अच्छे तरीके से की गई है। फिल्म की कहानी

का मूल आधार शिवाजी सावंत द्वारा लिखे गए उपन्यास छावा पर आधारित है। इस फिल्म ने तमाम भारत भक्तों को आकर्षित

दरअसल, फिल्म निर्माण के कार्य में प्रतिभाएं सुव्यवस्थित काम करती हैं। बेशक सिनेमा किसी न किसी रूप में समाज का सच दिखाता है। फिल्मकार बेशक इतिहास आधारित फिल्म निर्माण भी करते हैं, लेकिन वह इतिहास से निर्देशित नहीं होते। इतिहास की कथाएं भी इसी तरह की हैं। भारत का अब तक का उपलब्ध इतिहास अतिरेकों से भरा पूरा है।

किया है। इसके अलावा औरंगजेब के मूल चरित्र को भी उजागर किया है। हम भारत के लोग विजय पर्व दशहरा का उत्सव मनाते हैं। रावण के पुतले को आग लगाते हैं। इसलिए कि रावण भारतीय ज्ञान परंपरा में खलनायक माना जाता है। विजयादशमी के दिनों में देश के कोने-कोने रामलीलाएं होती हैं। देश में अत्याचार करने वाले किसी भी आताताई अपराधी को उपासना की अपेक्षा हमसे क्यों की जाती है। औरंगजेब भारतीय मध्यकाल के इतिहास का खलनायक था। लेकिन सेकुलर समूह औरंगजेब की छवि को लेकर चिंतित दिखाई पड़ते हैं।

भारत की संस्कृति सभी कलाओं से भरी है। भारतीय सिनेमा भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। यूनानी दार्शनिक अरस्तु ने लिखा है कि, हकला प्रकृति के अनुकूलित है।ह्द सही बात है। अनुसरण से कलाओं का विकास

लोकप्रियता का आधार खो रहे नयी पीढ़ी के हीरो

ऐसे प्रशंसक नहीं जो किसी खास हीरो की फिल्म रिलीज का इंतजार करें वरुण धवन

पुराने दिग्गज अभिनेताओं के मुकाबले में देखें तो आज के दौर के ज्यादातर हीरो का कोई फैन बेस नहीं है। चाहे वह वरुण धवन हो, चाहे आयुष्मान खुराना , कार्तिक आर्यन,सिद्धार्थ मल्होत्रा या फिर शाहिद- काफी अनुभव के बाद भी ऐसे प्रशंसक नहीं जो इनकी फिल्म का इंतजार करें। अब वरुण धवन फिल्म ह्दबेबी जॉनह्द के जरिए फिर दर्शकों से मुखातिब हैं।

असीम चक्रवर्ती निश्चित तौर पर ह्दपुष्पा-2ह्द के बाद अभिनेता अल्लू अर्जुन के फैन बेस को एक बड़ा मजबूत आधार मिला है। दूसरी ओर वरुण धवन फिल्म ह्दबेबी जॉनह्द के जरिए फिर दर्शकों की तरफ मुखातिब हैं। गौरतलब है कि सफल फिल्म को लेकर यह तीसरी-चौथी बार उनकी धमकेदार कॉन्विन्ग हो रही है। यही नहीं, आजकल के कई नये हीरो की बात करें,तो कई-

युवा

उनकी नयी फिल्म ह्दबेबी जॉनह्द की रिलीज इससे पहले भी कई बार टल चुकी है। अब अंततः दर्शकों के बीच में यह आ रही है।

और भी कई हीरो हैं वरुण की तरह कई हीरो इसी तरह के लॉन्चिंग पैड से चलने की कोशिश करते हैं। अब जैसे कि अभिनेता मनोज बाजपेयी एक ज़िद की तरह कई बार हीरो बनने की काशिश करते हैं,मगर हर बार उन्हें हताश होकर अपने रूटीन ट्रैक पर वापस आना पड़ता है। कुछ माह पहले की अपनी एक फिल्म ह्दभैयाजीह्द के साथ दमदार एंट्री लेनी चाही थी,मगर दर्शकों ने उन्हें पहले दिन ही जतला दिया कि आप एक अच्छे अभिनेता हैं,इसलिए दमदार कैरेक्टर ही आप पर फबता है। हीरो बनने की चाह में आपकी बेवजह की कोशिश किसी दर्शक को पसंद नहीं है। इसी तरह से प्रचार का सहारा लेकर काबिल एक्टर

राजकुमार राव ने फिल्म ह्दस्त्री-2ह्द के बाद अपनी कीमत काफी बढ़ा दी थी,मगर इसके बाद आई ह्दविकी और विद्या का वो वाला वीडियोह्द ने उन्हें समझा दिया कि वह अपने फैन बेस के आधार पर कोई फिल्म अब भी नहीं चला पाते हैं। देखा जाए तो आयुष्मान खुराना,विकी कौशल,कार्तिक आर्यन,सिद्धार्थ मल्होत्रा,शाहिद कपूर जैसे आजकल के ज्यादातर हीरो का कोई फैन बेस नहीं है। यहा तक कि इनमें उम्रदराज अभिनेता शाहिद कपूर अभी तक अपना प्रशंसक वर्ग तैयार नहीं कर पाए। पांच साल पहले की उनकी सफल फिल्म ह्दकबीर सिंहह्द के बाद ऐसा लगा था कि शाहिद अपनी इस सुपर हिट फिल्म के सहारे अपनी इमेज को पुख्ता करेंगे। मगर इसके बाद वह फिर जर्सी,ब्लडी डेडी,तेरी बातों में उलझाह्द जैसी फिल्मों में उलझ कर रह गए। जबकि अभिनेता इतने अनुभव के बाद एकदर एक्टर के तौर पर सामने आ ही जाता है।

दिलीप, राज, देव, की अलग शान

पुराने दौर के दिग्गज अभिनेताओं को उनके बाद के आए कई हीरो अपना प्रेरणा बताते है। उस दौर के तीन हीरो दिलीप कुमार,राज कपूर और देव आनंद का कोई सानी नहीं था। इनका अलग-अलग विस्तृत आकलन हमेशा चर्चा का विषय होगा। पर इनका जुदा अंदाज इनके फैन बेस का मुख्य आधार रहा है। जैसे कि राज साहब के गरीबीवाले अंदाज को ढेरों दर्शक पसंद करते थे। दूसरी ओर दिलीप कुमार ट्रेजड्री किंग के तौर पर दर्शकों के जेहन में फुल रहे। और देव साहब के लटकें-झटकों का अपना अलग मैनरिज्म था। और इन सबसे ऊपर थी इनकी एक्टिंग संपन्नता। इसी वजह से तीनों एक्टर का प्रभाव अभी तक है।

धर्मेन्द्र,राजेश,अमिताभ का जुदा अंदाज थे तीन महान एक्टर जब सक्रिय थे,तभी धर्मेन्द्र,राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन आदि अपनी पुख्ता जगह बनाने की जद्दोजेहद कर रहे थे। इन तीनों ने फिल्म वर्ल्ड को उम्दा योगदान दिया है।

कुंभ का महाविज्ञान-पंच महाभूतों का त्रिगुण संपन्न आधार

कुंभ घट से जुड़े इस तीर्थ क्रम में अब तक लाखों पड़ाव बीत चुके हैं। गुणों और कल्पों की इस यात्रा में यह संगम स्वरूप भारत के तीन घाटों की यात्रा कर अपनी संपूर्णता में प्रत्येक 12 वर्ष पर प्रयागराज में अवतरित होता है। गंगा , यमुना और सरस्वती के पावन संगम को यह साक्षी मान कर मासोपरांत विदा होता है। पृथ्वी पर उपस्थित मानव जाति इसके मर्म को समझने का प्रयास करती है। सनातन की यह अवधारणा नित प्रति नई व्याख्याओं के साथ आगे बढ़ती जाती है।

इस महाकुंभ के आयोजन का आधार सृष्टि के वे ही त्रिगुणात्मक अवयव हैं जिन्हें श्रीकृष्ण ने भी। तीन की इस आधार आकिक योग से इतर इस सृष्टि और पूरे ब्रह्मांड में कुछ भी शेष है ही नहीं। इसी प्रति बारहवें वर्ष संशोधित और परिमार्जित होता है। यही कुंभ है।

सृष्टि के साथ साथ तीर्थ की यात्रा। अमृत घट का रहस्यमय स्वरूप। सृष्टि में तीन लोकां इन तीन में से एक लोक। इस एक लोक में तीर्थराज प्रयागराज। यहां गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी का पवित्र संगम। ऐसे संगम तट पर महाकुंभ का अलौकिक सामगम । समुद्र मंथन के

धर्म

की प्राप्ति की इच्छा ने ही सुर और असुर संघर्ष को जन्म दिया। प्रत्येक 12 वें वर्ष, इस ब्रह्मांड की इस सृष्टि में पृथ्वी पर एक मात्र गंगा, यमुना और सरस्वती का यह संगम स्थल है जहाँ उस घट की अमृत की कुछ बूँदें यहां प्राप्त हो जाने की संभावना प्रबल रहती है। इन बारह वर्षों की अवधि के भीतर प्रत्येक तीन वर्ष पर यह आंशिक स्थिति हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में बनती है। इसीलिए इन तीन स्थानों पर क्रम से प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल पर अर्ध कुंभ आयोजित होते हैं।

कुंभ और ब्रह्माण्ड कुंभ और इस ब्रह्मांड के संबंधों को भी समझने की जरूरत है। अंड शब्द का आशय एक कोष से है। ऐसा कोष जिसमें जगदनित्यता परम ब्रह्म विराजमान हो। ब्रह्म की संज्ञा प्रदान की है। उस ब्रह्मांड का जो आकार है वह घट जैसा है। ऐसे घट के आकार वाले ब्रह्मांड का ही स्वरूप

महाकुंभ अथवा कुंभ का आयोजन भी है। इस कुंभ में भरे हुए अमृत की बूंद पाने को लालायित प्रेमी ही इस आयोजन के भागीदार होते हैं।

सनातन संस्कृति में कुंभ अर्थात घट या कलश का बहुत महत्व है। जन्म से मृत्यु तक के सभी शुभाशुभ संस्कारों में कुंभ (कलश) को स्थापित करने के पश्चात ही देव पूजन कर्म करने का विधान है। कलश या घट ही कुंभ है। ज्योतिष शास्त्र इमेज को पुख्ता करेंगे। मगर इसके बाद वह फिर जर्सी,ब्लडी डेडी,तेरी बातों में उलझाह्द जैसी फिल्मों में उलझ कर रह गए। जबकि अभिनेता इतने अनुभव के बाद एकदर एक्टर के तौर पर सामने आ ही जाता है।

अंड अर्थात अणु और इसके अंग जब कुंभ के आकार वाले ब्रह्मांड की चर्चा करते हैं तो इसके सूक्ष्म स्वरूप से चिंतन आरंभ होता है। सृष्टि में जो भी

जनाकांक्षाओं की बात

सरकार जनाकांक्षाओं पर खरी नहीं उतरी, तो जनता उसे बदल भी देती है। नई सरकार से जनता उम्मीद करती है कि वह उसकी आकांक्षाओं पर खरा उतरेगी। यही सत्ता परिवर्तन के निहितार्थ हैं। लेकिन आमतौर पर यह देखा जाता है कि सरकार बदलने के साथ अवसर चेहरे बदल जाते हैं। लोकतंत्र में सरकारों का बदलना एक सामान्य प्रक्रिया है। आवश्यकता इस बात की है कि जनता द्वारा चुनी गई सरकार जनाकांक्षाओं पर खरी उतरे।

-सतीश शर्मा, हजारीबाग

सख्त कार्रवाई हो

बांग्लादेश को 1971 में भारत ने मुक्ति वाहिनी की मदद से स्वतंत्रता दिलाई थी, लेकिन आज वहां के कट्टरपंथी हिंदू विरोधी हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं। बांग्लादेश को यह याद रखना चाहिए कि वह कई मामलों में भारत पर निर्भर है। कट्टरपंथियों की धमकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जरूरी है, ताकि हिंदू अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की जा सके। **-रवि, रांची**

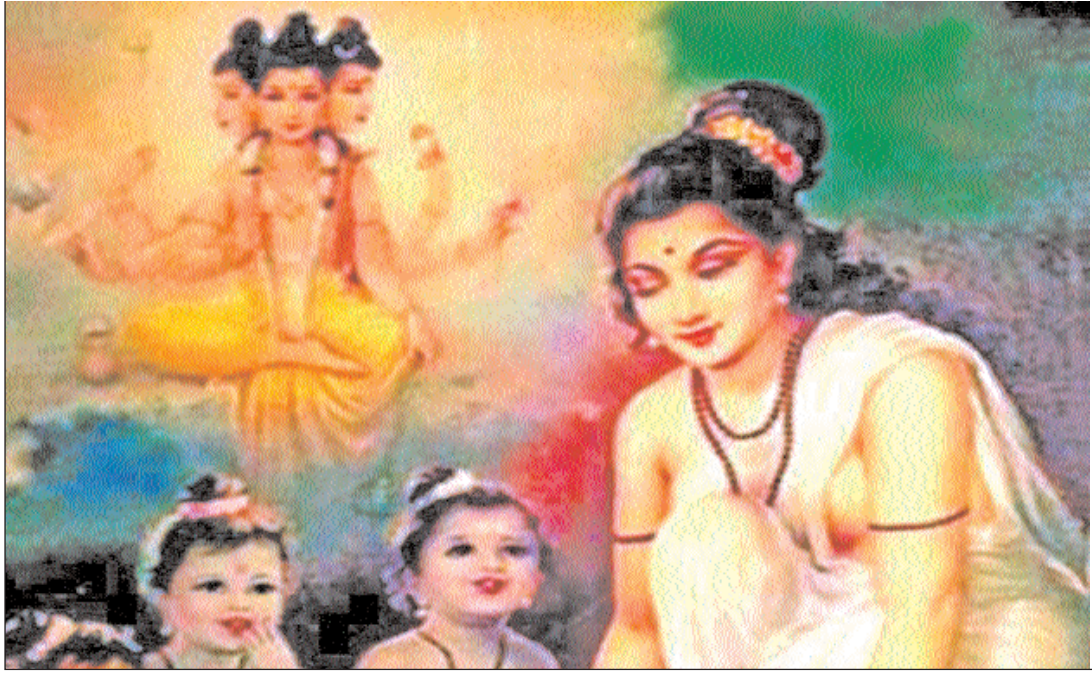
द्वीट

एमएसपी की गारंटी और कर्ज. माफी समेत अन्य मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल जी की तबीयत बिगड़ना चिंताजनक है। सरकार को बातचीत करके अनशन खत्म करवाना चाहिए।

जायज मांगों के लिए किसानों को बार-बार अनशन और प्रदर्शन के लिए मजबूर करना दुर्भाग्यपूर्ण है। 700 से ज्यादा किसानों की शहादत के बाद भी सरकार निर्दयी बनी हुई है। मैंने पहले भी कहा है और फिर दोहरा रहा हूं - जैसे मोदी सरकार कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए मजबूर हुई, वैसे ही उसे इन मांगों को मानने के लिए मजबूर किया जाएगा। किसानों और देश के लिए बेहतर यही होगा कि देर करने की बजाय जल्द से जल्द मान ले।

- राहुल गांधी, सांसद

गायत्री मंत्र का नियमपूर्वक जाप से कटता है पाप, बढ़ती है एकाग्रता



अन्तःकरण में धारण करें। वह परमात्मा हमारी बुद्धि को समार्ग में प्रेरित करे। यानी इस मंत्र के जप से बौद्धिक क्षमता और मेधा शक्ति यानी स्मरण की क्षमता बढ़ती है। इससे व्यक्ति का तेज बढ़ता है साथ ही दुःखों से छूटने का रास्ता मिलता है। गायत्री मंत्र का जप सुखोदय के दो घंटे पूरे से लेकर सूर्यास्त से एक घंटे बाद तक किया जा सकता है। मौन मानसिक जप कभी भी कर सकते हैं लेकिन रात्रि में इस मंत्र का जप नहीं करना चाहिए। माना जाता है कि रात्रि में गायत्री मंत्र का जप लाभकारी नहीं होता है। गायत्री मंत्र में चौबीस अक्षर होते हैं। यह चौबीस अक्षर चौबीस शक्तियों-सिद्धियों के प्रतीक हैं। यही कारण है कि ऋषियों ने गायत्री मंत्र को भौतिक जगत में सभी प्रकार की मनोकामना को पूर्ण करने वाला मंत्र बताया है। आर्थिक मामलों में परेशानी आने पर गायत्री मंत्र के साथ श्रौं का संपुट लगाकर जप करने से आर्थिक बाधा दूर होती है। छात्रों के लिए यह मंत्र बहुत ही फायदेमंद है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि गायत्री सद्बुद्धि का मंत्र है, इसलिए इस मंत्रों का मुकुटस्पर्श कर हा, ग्या है। नियमित रूप से 108 बार गायत्री मंत्र का जप करने से बुद्धि प्रखर और किसी भी विषय को लंबे समय तक याद रखने की क्षमता बढ़ जाती है। यह मंत्र व्यक्ति की बुद्धि और विवेक को निखारने का भी काम करता है।

हिंदू

दू धर्म में गायत्री मंत्र को सबसे उत्तम और सर्वश्रेष्ठ माना गया है। यह एक ऐसा मंत्र है जो न सिर्फ हिंदू धर्म में आस्था रखने वालों की जुबान रहता है बल्कि अन्य धर्म के लोग भी इस मंत्र के

बारे में अच्छी तरह से जानते हैं। कई शोधों में इस बात को माना गया है कि गायत्री मंत्र के जाप से कई फायदे मिलते हैं। वेदों की कुल संख्या चार है और चारों वेदों में गायत्री मंत्र का उल्लेख किया गया है। इस मंत्र के ऋषि विश्वामित्र हैं और देवता सवितृ हैं। माना जाता है कि इस मंत्र में इतनी शक्ति है कि

नियमित तीन बार जप करने वाले व्यक्ति के आस-पास नकारात्मक शक्तियाँ, भूत-प्रेत और ऊपरी बाधाएँ नहीं फटकती। गायत्री मंत्र के जप से कई तरह का लाभ मिलता है। यह मंत्र कहता है 'उस प्राणस्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम



खेले मशाने में होली दिगंबर ...



रंगों और हंसी-खुशी का त्योहार है होली : भरत चन्द्र महतो



अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ का रांची सिविल कोर्ट परिसर के न्यू बार भवन में होली मिलन समारोह

रांची: अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ के तत्वावधान में आज सिविल कोर्ट परिसर स्थित न्यू बार भवन के प्रथम तल में होली मेलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संघ के सदस्यों ने एक दूसरे पर अबीर लगाकर होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। संघ के प्रधान महासचिव भारत चन्द्र महतो ने इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं को अबीर लगाकर एवं अंग वस्त्र देकर होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली रांगों और हंसी खुशी का त्योहार

है। होली आपसी भाईचारा और प्रेम को प्रगाढ़ करता है। होली के अवसर पर जो रंग हम एक-दूसरे को लगाते हैं उससे आपसी प्रेम प्रगाढ़ होता है। इस अवसर पर अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ की उपाध्यक्ष रजजा वर्मा, विजय कुमार कोईरौ, जितेन्द्र प्रसाद, निरंजन राम, बिजय कुमार गुप्ता, अंजु कुमार, डोली, सुजाता, ब्रजेन्द्र नाथ महतो, बिपिन बिहारी देववन, मीडिया प्रभारी मृत्युंजय प्रसाद समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे।

मानव शरीर में 112 चक्र प्रभावी



कोई व्यक्ति इतना फोकस्ड है मूलाधार साधना पीनियल

112 चरों से 7 चक्र कैसे बनें?

इन एक सौ चौह चक्रों में से दो चक्र शरीर के बाहर होते हैं, जिन्हें एक अलग आयाम के रूप में देखा जाता है। कुछ पद्धतियों में शरीर को नौ आयामों में देखते हैं, जिसमें सात हमारे सिस्टम में और दो बाहरी आयाम होते हैं जिस आयाम को किसी प्रक्रिया में बांधा नहीं जा सकता, फिर भी उस आयाम तक पहुंचा जा सकता है, वह आयाम सहस्रार है। हालांकि कुछ मायने में ये सही भी हैं, लेकिन सामान्य योगिक पद्धति इसे ऐसे नहीं देखती। सामान्य योगिक पद्धति इसे एक सौ चौह में से दो कम करके देखती है। दरअसल, ये एक सौ चक्र भौतिक ढांचे के बाहर होते हैं। असल में, हम इन्हें ऐसे देखते हैं कि हम किसके साथ काम कर सकते हैं और किसके साथ नहीं। इन एक सौ बारह चक्रों के साथ हम काम कर सकते हैं, इनमें से अगर एक सौ आठ चक्रों पर काम करके उन्हें तैयार व सक्रिय किया जाए तो अतिम चार स्वाभाविक तौर पर सक्रिय हो जाते हैं। इसके आधार पर इनमें से हरेक के सात आयाम व सोलह पहलू होते हैं, इस तरह से यह एक सौ बारह होते हैं। और ये एक सौ बारह अपने इन सात आयामों में, आमतौर पर सात चक्रों या योग के सात स्कूल के तौर पर जाने जाते हैं।

सदगुरु हमें बता रहे हैं कि स्वाधिष्ठान वो केंद्र है जिसका इस्तेमाल बच्चा पैदा करने के लिए या फिर देवी देवताओं को रचने के लिए किया जाता है। जानते हैं इस चक्र के अनेक पहलुओं के बारे में। स्वाधिष्ठान चक्र : देवी-देवताओं को रचने की महारत देता है

योग के सात स्कूल शुरू किए उस ऋषियों ने : योग के इन सात स्कूलों का श्रेय सप्तऋषियों को जाता है, क्योंकि इन्हीं लोगों ने ये सात स्कूल तैयार किए। चूंकि आर्ययोगी शिव को पता था कि सप्त ऋषियों में से कोई भी अकेला इन सारी प्रक्रियाओं को ग्रहण कर पाने में सक्षम नहीं होगा, इसलिए उन्होंने इसके सोलह पहलुओं को हरेक ऋषि को दिया। इस तरह से मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपूरक, अनाहत, विशुद्धि और अज्ञान से जुड़ी अलग-अलग विधाएँ सामने आईं। हालाँकि सप्तवें चक्र को आप वास्तव में विधा नहीं कह सकते, इस पर चलने वाले लोग विवाहीन हैं। इसलिए उनका कोई सिस्टम नहीं है। अगर आप किसी चीज को विधा कहना चाहते हैं, तो उसके लिए एक सिस्टम का होना जरूरी है। तो जिस आयाम को किसी प्रक्रिया में बांधा नहीं जा सकता, फिर भी उस आयाम तक पहुँचा जा सकता है।

कि वहां पर टिक
पाए?मूलाधार शरीर का
सबसे बुनियादी चक्र है।

ग्लैंड से जुड़ी है, और इस साधना से तीन बुनियादी गुण सामने आ सकते हैं।



बैंकों में दो दिवसीय राष्ट्रत्यापी हड़ताल 24 से



केरल समाज जमशेदपुर में 1945 में स्थापित हुआ था । यह संगठन मलयाली समुदाय के सांस्कृतिक, शैक्षिक और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया था। केरल समाज ने केरल की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, और इसके सदस्यगण के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, त्योहारों और शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया है ।



चौड़ा में पावर प्लांट लगाये या जमीन वापस करे : सखिता चाडिल। ईचागढ़ विधायक सखिता महतो ने शून्यकाल की सूचना के दौरान सदन में ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के चौड़ा में टाटा पावर प्रोजेक्ट का मामला को प्रमुखता से उठाया । इस दौरान उन्होंने सदन में कहा कि कुकड़ु प्रखंड के मौजा चौड़ा, कुदा, सिरकाडीह, गुदलीडीह, तिरुलडीह में टाटा पावर प्रोजेक्ट ने 3660 एमभी यूनिट कंपनी लगाने के नाम से करीब 470 एकड़ जमीन का वर्ष 2010 में अधिग्रहण किया है लेकिन कंपनी द्वारा कोई भी काम शुरू नहीं हुआ है। यदि टाटा पावर कंपनी नहीं लगाना चाहती है तो लोगों को उनकी जमीन नियम के अनुसार वापस होनी चाहिए। उन्होंने आसन के माध्यम से सरकार से मांग किया कि टाटा पावर कंपनी द्वारा 470 एकड़ लिये गये भूमि को जमीन मालिकों को वापस किया जाये।

सिंहभूम चेंबर का होली मिलन समारोह 16 को जमशेदपुर। सिंहभूम चेंम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के द्वारा चेंम्बर सदस्यों के लिये होली के शुभ अवसर पर पारिवारिक ह्वहोली मिलन समारोहह्क का आयोजन रविवार, दिनांक 16 मार्च, 2025 को संंध्या 7.30 बजे से नरभराम हंसराज इंगलिश स्कूल परिसर, बिष्टुपुर में आयोजित किया गया है। यह जानकारी मानद महासचिव मानव कैडिया ने दी। अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने बताया कि चेंम्बर प्रत्येक वर्ष अपने सदस्यों एवं उनके परिवार के सदस्यों के मनोरंजन हेतु होली के शुभ अवसर पर होली मिलन समारोह का आयोजन चेंम्बर भवन में करता रहा है। लेकिन पिछले दो तीन वर्षों के दौरान चेंम्बर सदस्यों की चेंम्बर के कार्यक्रमों में बढ़ती सहभागिता और भागीदारी तथा चेंम्बर सदस्यों की लगातार बढ़ती संख्या को लेकर होली मिलन समारोह किसी बड़े स्थान पर करने की परंपरा शुरू की गयी है।

एसीबी ने एसआइ को घूस लेते दबोचा

धनबाद। एटी करषान ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने मंगलवार को बोकारो के गांधीनगर थाना में तैनात एसएसआई अजय प्रसाद को रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने आरोपी को सीसीएल के क्वार्टर से 10 हजार रुपए रिश्वत लेते रसे हाथों पकड़ा।एसीबी डीएसपी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 9 मार्च को कुछ लोगों के बीच गांधी नगर थाना क्षेत्र के चार नंबर पेट्रोल पम्प के समीप पैसे को लेकर नोक-झोंक हुई थी। उस समय परिवारी वही खड़ा थे। इसी पर गांधीनगर थाना के सहायक अवर निरीक्षक अजय प्रसाद ने मोबाईल के माध्यम से उसे थाना बुलाया और उसे बताया कि उक्त मारपीट के केस में वह अभियुक्त है और जेल भेजा जायेगा। उसे स्टूडेंट्स बताकर उसे बचने का उपाय बताया गया कि दस हजार रु देने पर केस से नाम हट जायेगा। रिश्वत नहीं देने पर करेक्टर पर दाग लगा देने की धमकी दी। परिवारी को डरा धमकाकर केस का अनुसंधानकर्ता सहायक अवर निरीक्षक अजय प्रसाद दस हजार रु की मांग करने लगा। बताया की शिकायतकर्ता के आवेदन का सत्यापन में तथ्य सही पाए जाने के बाद एसएसआई को पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया और घर दबोचा।

गैंगस्टर अमन साहू के घर बुढ़मू में मातम

मौत की खबर सुनकर बेसुध मां को संभालते परिजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड एटीएस के हाथों मुठभेड़ में मारे गए कुख्यात अपराधी अमन साहू के घर पर मातम का माहौल है। रांची के बुढ़मू स्थित अमन के घर पर परिजन सदमे में हैं। अमन साहू के गांव मतवे में सन्नाटा पसरा हुआ है। कोयला क्षेत्र में आतंक का पर्याय और 100 से अधिक गंभीर अपराधिक मामलों का आरोपी अमन साहू के एनकाउंटर में मारे जाने की सूचना उसके परिजनों को मंगलवार सुबह दस बजे मिली, जिसके बाद घर में परिजनों का विलाप शुरू हो गया। रायपुर से रांची लाने के क्रम में पलामू में हुए अमन गैंग के साथ मुठभेड़ के बाद अमन फरार होने की कोशिश में मारा गया। अमन के परिवार वालों के रोने की आवाज सुन कर ग्रामीणों को भी यह

जानकारी मिली कि अमन पुलिस के साथ हुए एनकाउंटर में मारा गया है। अमन की मां अपने बेटे की मौत की खबर सुन कर बेसुध सी हो गयी, जिसे रिश्तेदारों और गांव की अन्य महिलाओं ने संभाला। बेटे की मौत की खबर सुनकर अमन के पिता निरंजन साहू और मां स्तब्ध थे। अमन के पिता का गांव में ही एक किराने की दुकान है। अमन के मारे जाने को लेकर उसके परिजनों ने किसी भी तरह की कोई भी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि अमन का बचपन रामगढ़ के पतरातू में बीता था। सालों पहले अमन का परिवार रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र स्थित गांव मतवे में आकर बस गया। अमन का एक भाई नौकरी करता है जबकि दूसरा भाई आकाश साहू टेरेर फंडिंग मामले में जेल में बंद है।

चेशायर होम में होली के गीतों पर थिरके विशेष बच्चों के पांव

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। मंगलवार को सुंदरनगर स्थित चेशायर होम के विशेष बच्चों (दिव्यांगों) ने अबीर गुलाल की होली खेली। होली के गीतों पर बिष्टुपुर बच्चों तथा उपस्थित लोगों के पांव भी खूब थिरके। गुलाल उड़ानेक विशेष बच्चे होली के रंग में रंग गए। यह नजारा चेशायर होम परिसर में दिखने को मिला। इसका आयोजन हर साल की तरह इस साल भी सिने तारिका माधुरी दीक्षित के फैन पप्पू सरदार द्वारा किया गया था। पप्पू ने अपने चिर-परिचित अंदाज में इस साल नई थीम खुद को लस्सी वाला के रूप में पेश कर होली के दिन नशा नहीं करने के



साथ ही समाज में आई नशे रूपी कुरीति को दूर करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि होली आपस में मिलना जुलना और पुरानी रंजिश भूलकर आपसी भाईचारा कायम करने के लिए मनाया जाता है आप यदि नशा मुक्त पर्व मनाएंगे तो आपके परिवार, समाज और प्रशासन को भी काफी राहत मिलेगी। होली के गीतों पर विशेष बच्चों संग पप्पू ने जमकर डांस किया। मौके पर चेशायर होम की सिस्टर सारिका ने होली की बधाई दी।

नशा से जन, जीवन और समाज प्रभावित : आरे सिन्हा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। माननीय झालसा के निर्देश पर माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष के मार्गदर्शन में मंगलवार को राम लखन सिंह यादव कॉलेज और सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंसी, बरियातु रांची में नशा उन्मुलन, नशा के दुष्प्रभाव एवं महिलाओं पर केंद्रित कानून पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा, लाईफ सेवर्स एनजीओ के अतुल गेरा, एनसीबी से मनोहर मजूल, आनंद कुमार, स्कूल के प्रिंसिपल दीपक कुमार, पीएलवी सम्पा दास, प्रीति पाल, लाईफ सेवर्स एनजीओ के अतुल गेरा, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं राजा वर्मा व अन्य उपस्थित थे। इस मौके पर एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने अपफीम, गांजा, हिरोईन, ब्राउन शुगर का व्यापार करना तथा अपफीम की खेती करने से संबंधित अपराध के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, ज्नशापान से जन जीवन, समाज

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची

कुमार, स्कूल के प्रिंसिपल दीपक कुमार, पीएलवी सम्पा दास, प्रीति पाल, लाईफ सेवर्स एनजीओ के अतुल गेरा, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं राजा वर्मा व अन्य उपस्थित थे। इस मौके पर एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने अपफीम, गांजा, हिरोईन, ब्राउन शुगर का व्यापार करना तथा अपफीम की खेती करने से संबंधित अपराध के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, ज्नशापान से जन जीवन, समाज और मन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। लाईफ सेवर्स एनजीओ के अतुल गेरा के द्वारा भी नशा उन्मुलन पर प्रकाश डाला गया, उन्होंने नशा से होने वाले प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया। नशा से परिवार का आर्थिक, मानसिक और शारीरिक क्षति होता है, जिसका भरपाई नहीं की जा सकती। आनंद कुमार ने कहा कि नशा हम सब के लिए एक अभिशाप है, जो हमारे समाज में आता है। सीआईडी-रिजवान अंसारी ने कहा कि नशा के चपेट में आकर नशे का सेवन कर युवा वर्ग अपने अनमोल जीवन को नष्ट कर रहे है।

हिंदी तो भारत मां की बिंदी है: डॉ जेबी पाण्डेय

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची विवि के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष



हिंदी परिषद दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा विपिन कुमार थे। डा पांडेय ने कहा कि हमारी हिंदी नायाब, लाजबाव और कामयाब है, क्योंकि छू लो तो चरण, अड़ा दो तो टांग ,धंस जाए तो पैर, फिसल जाए तो पांव, आगे बढ़ाना हो तो

कदम, राह में चिह्न छोड़े तो पद, प्रभु के हों तो पाद। गंधे की हो तो दुलती, घुंघुरू बांध लो तो पग। खाने के लिए टंगड़ी और खेलेने के लिए लंगड़ी। विश्व हिंदी परिषद दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा विपिन कुमार ने कहा कि हिंदी हमारी

खबर मन्त्र प्रतिनिधि

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिले के आदित्यपुर पुलिस ने अपराध की योजना बनाते कुख्यात अपराधी रवि राम उर्फ छोटू राम को उसके सात सहयोगियों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस गिरफ्तारी की जानकारी दी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ट्रिपल मर्डर केस में जेल से जमानत पर छूटे छोटू राम अपने साथियों के साथ आदित्यपुर थाना क्षेत्र के



सरायकेला के एसपी मुकेश लुणायत पत्रकारों के सामने छोटू राम को पेश करते हुए।

धीराजगंज इलाके में अपराध की योजना बना रहा है। इसके बाद थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने तत्पराता से कार्रवाई करते हुए गोलू गुप्ता, छोटू राम, सुमित गोप, अंगद प्रमाणिक, रोहित

महतो, सूरज महतो, अनीश कुमार शर्मा और राजू कुमार वर्मा को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से दो पिस्टल, एक देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, एक स्कोर्पियो, एक बुलेट और सात मोबाइल फोन जब्त किये गये।

श्रीनाथ विश्वविद्यालय में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। एमएसएमई- डेवलपमेंट एंड फैसिलिटेशन ऑफिस, रांची, भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के तत्वावधान में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी) का आयोजन श्रीनाथ विश्वविद्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और युवा उद्यमियों को उद्यमिता के महत्व, संभावनाओं और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गौरव, सहायक निदेशक एमएसएमई- डेवलपमेंट एंड फैसिलिटेशन



ऑफिस, रांची द्वारा स्वागत भाषण और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करने के साथ हुआ। कार्यक्रम में श्री अंजन कुंडु (वरिष्ठ प्रबंधक, आइडीटीआर, जमशेदपुर), केमेश्वर प्रमाणिक (सहायक प्रबंधक, सीएससी, सरायकेला-खरसावां), बरन कुमार (एलडीएम, सरायकेला-खरसावां) आदि भी थे।

बिष्टुपुर में बैंककर्मियों ने दिखायी एकता

यूएफबीयू की मांगें

बैंकों में पर्याप्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों की नियुक्ति। आरबीआई, डीएफएस, सेबी, नाबार्ड, फाइनेंस मिनिस्ट्री और स्टोक एक्सचेंज की तरह बैंकों में भी पांच दिवसीय कार्य दिवस हो। कर्मचारी एवं अधिकारी प्रतिनिधि को निदेशक मंडल में शामिल करना। लॉबित मांगों का शीघ्र निराकरण। सेवानिवृत्ति के पश्चात केन्द्रीय कर्मियों की तरह ग्रेच्युटी की राशि 25 लाख की जाए। बैंक कर्मचारी और अधिकारी के खिलाफ दुर्व्यवहार और

हिंसा पर रोक लगायी जाये। पीएलआई भुगतान प्रणाली में आवश्यक सुधार और भेदभावपूर्ण रवैया समाप्त की जाये। बैंकों में शिक्षुओं (अप्रेंटिस और कान्ट्रेक्ट) सविदा भर्ती की जगह स्थायी कर्मचारियों और अधिकारियों की नियुक्ति की जाये। सरकारी बैंकों को मजबूती प्रदान करने की नीति बनाई जाए आदि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर बैंक कर्मचारी और अधिकारी आज अपनी जायज मांगों एवं समाज में व्याप्त बेरोजगारी जैसे ज्वलंत मुद्दों को लेकर संघर्ष के लिए तैयार हैं।

सीनियर क्राइम रिपोर्टर मनीष सिन्हा का निधन

जमशेदपुर। शहर के वरिष्ठ क्राइम रिपोर्टर मनीष सिन्हा (51 वर्ष) का मंगलवार को निधन हो गया। मनीष विगत एक साल से बिस्तर पर थे। उन्हें चलने-फिरने में काफी दिक्कत थी। मंगलवार की सुबह तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें इलाज के लिए मानगो के एक नर्सिंग होम में ले जाया गया, जहां स्थिति देख डॉक्टरों ने उन्हें ब्रह्मानंद नारायण मल्टी स्पेशियालिटी हॉस्पिटल, तामोलिया अस्पताल रेफर कर दिया। परिवार के लोग जब तक उन्हें अस्पताल ले जाकर भर्ती कराते, रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। तामोलिया अस्पताल के डॉक्टरों ने भी जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पार्थिव शरीर को दाइगुट्टु स्थित आवास पर लाया गया। शाम पांच बजे भुइयाडीह स्थित सुवर्णरेखा बर्निंग घाट पर मनीष का अंतिम संस्कार किया गया। मंझले भाई नवीन सिन्हा ने मुखनिगि दी। सभी ने इसपर दुःख जताया।

विद्या भारती, टेलको में बाल विहार कैंप का समापन

जमशेदपुर। टेलको स्थित विद्या भारती चिन्मय विद्यालय में सत्र के अंत में आयोजित होने वाले बाल विहार कैंप के अंतर्गत मंगलवार 11



मार्च को कक्षा सात के विद्यार्थियों को सम्मिलित करते हुए कैंप विशेष का समापन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। शिक्षिका द्वारा नैतिक मूल्यों पर आधारित कहानी सुनायी गयी। इसके बाद हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ, भजन, गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ हवन एवं चिन्मय आरती की गयी। विद्यार्थी बहुत ही सुंदर ढंग से नैतिक शिक्षा पर आधारित कहानी प्रस्तुत किये, जो उनके भीतर समाहित नैतिकता की सही समझ का द्योतक है। रोचक गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों ने अ4 शीट पर भारत आनं माई माईड विषय पर पोस्टर बनाया।

श्री श्याम मंदिर,चांडिल में मना फाल्गुन महोत्सव

चांडिल। श्री श्याम कला भवन चांडिल ने प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी फाल्गुन माह पर श्याम मंदिर मे



पुरे एक माह बाबा श्याम का भव्य शृंगार किया। बुधवार की रात को निशान यात्रा नीमडीह के रघुनाथपुर से चांडिल पहुंचने के बाद चांडिल श्याम कला भवन में भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें भजन गायक सुभाष शर्मा, रवि शर्मा ने कई भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किये। साथ ही मम्मी सिल दे निशान मन्ने खाटु जाना सा के भजन से पूरा मंदिर परिसर बाबा श्याम के जयकारा से झूम उठे। मौके पर जिला पार्षद सदस्य पिकी लायक, पूर्व ज़िप सदस्य सह झामुमो नेता ओमप्रकाश लायक, राकेश वर्मा, पप्पु वर्मा, कला भवन के अध्यक्ष संजय चौधरी, समीर कुंडू, दुर्गा चौधरी, राजीव साव, परमानंद पसारी, पवन शर्मा जॉनी बगडिया सहित कई लोग उपस्थित थे।

तुलसी छवि पब्लिक स्कूल डोरका साई स्कूल को सौंपी कुर्सी व अन्य सामग्री, बच्चों के खिले चेहरे



जादूगोड़ा। टाटा स्टील की जेडीसी ने तुलसी छवि पब्लिक स्कूल डोरका साई (नारायणपुर) स्कूल को कुर्सी समेत अन्य सामग्री दी। इधर, समान पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। जादूगोड़ा-आसनवनी मुख्य सड़क किनारे स्थित डोरकासाई स्थित तुलसी छवि पब्लिक स्कूल को जमशेदपुर की जेडीसी कंपनी द्वारा कई जरूरत सामग्री का वितरण किया। इस बाबत स्कूल के संस्थापक तुलसी नाथ महतो,छवि महतो विश्वनाथ महतो ने कहा कि जे डी सी कंपनी बीते 12 सालों से तुलसी छवि पब्लिक स्कूल को हर साल जरूरत के अनुसार सामान मुहैया कराती है।आज कंपनी की ओर से कुर्सी, वाटर फिल्टर, खेलकूद सामग्री, हार्डट बोर्ड, पंखा, बुक-कॉपी मुहैया करायीग गयी। मौके पर कंपनी के सुबोते बसाक, अनुभा सिंह, आर आर सिंह, ओम प्रकाश मिश्रा, सुधीर मायती, ज्ञान रंजन कुमार, विजय मुर्मू, सुशीला तिरु उपस्थित थे।

स्वास्थ्य जागरूकता के लिए स्वराज फाउंडेशन ने आयोजित किया फुटबॉल टूर्नामेंट

जमशेदपुर। महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वराज फाउंडेशन ने नंदुप फुटबॉल



जमशेदपुर में एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया। इसमें क्षेत्र के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों की किशोरियों और सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को खेलकूद से शारीरिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे स्वस्थ जीवनशैली को अपनाते हुए अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकें। टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन बायांगबिल, पोइनहासा और केरुआडुगरी के सम्मानित मुखिया श्री कान्हू मुर्मू और ग्राम प्रधान द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान मुखिया जी ने कहा कि, खेल-कूद के माध्यम से किशोरियां का स्वास्थ्य और आत्मविश्वास बढ़ाना एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल उनकी फिटनेस सुधरेगी, बल्कि उनमें नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास भी होगा। प्रतियोगिता में आंगनबाड़ी केंद्र लटकुगोड़ा, डुंगरीटीला-गोराडीह, पोढ़ेनहासा, नीतुडुग्री की किशोरियों और नंदुप, खुकदीह स्कूल की छात्राओं ने हिस्सा लिया।



